

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 32 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 15 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

कोरबा में भीषण सड़क हादसाः खड़े ट्रेलर में घुसी यात्री बस, 2 की मौत, 6 घायल

कोरबा। जिले में रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हुआ। कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार में रॉयल यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। इस दुर्घटना में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह यात्री घायल हुए हैं। यह हादसा सुबह करीब 3 बजे हुआ। रॉयल ट्रेवल्स की बस रायपुर से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर जा रही थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों और ढाबा संचालक ने पुलिस व 108 को सूचना दी। सभी घायलों को तत्काल कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, एक घायल की हालत नाजुक है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में 16 डिग्री से नीचे तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। प्रदेश के 10 जिलों में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। सरगुजा में सबसे कम 11.4 डिग्री तापमान रहा। वहीं बलरामपुर-रामानुजगंज में पारा 13.4 डिग्री और बालोद में 13.6 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी रायपुर में न्यूनतम तापमान 18एष्ट रहा। अंबिकापुर में रात का तापमान सामान्य से 2 डिग्री कम रहा। दुर्ग में भी न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री कम है। बेमेतरा में 14.9 डिग्री, कबीरधाम में 15 डिग्री, बस्तर में 15.2 डिग्री, मुंगेली और सूरजपुर में 15.5 डिग्री और कोरबा में 15.9 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

भगवान बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती पर रायगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी बोले- नक्सलियों ने किया जनजातीय समाज का ज्यादा नुकसान, कोहरे के कारण नहीं पहुंच सके नितिन नबीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में भगवान बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जा रहा है। दशहरा मैदान में आयोजित समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल होने वाले थे, कोहरे के कारण उनका हेलिकॉप्टर तय स्थान पर लैंड नहीं हो सका है। इसके बाद वे वर्चुअली कार्यक्रम में जुड़े। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान हमारे जनजातीय समाज का ही किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जनजातीय गौरव दिवस की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित करते हुए कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान हमारे जनजातीय समाज का ही किया। 2014 में देश के करीब सवा सौ जिले माओवाद, नक्सलवाद से पीड़ित थे। हर साल हिंसा की सैकड़ों घटनाएं होती थी। इन घटनाओं में हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इनमें बहुत बड़ी संख्या हमारे आदिवासी भाई बहनों की थी। लेकिन माओवाद, नक्सलवाद प्रभावित लोगों को, उस सरकारों के द्वारा, उस जमाने में, इन मेरे भाई-बहनों को उनके नसीब पर छोड़ दिया गया था। उनके अधिकार छीन लिए गए थे और सब मुंह पर ताला लगाकर बैठे थे। सब चुप रहते थे।



आंखे बंद कर बैठी थी पिछली सरकारें

पीएम ने कहा कि पिछली सरकारें आंख बंद करके बैठी रहती थी। गरीब मां के सामने से उनके छोटे-छोटे बच्चों को यह माओवादी, नक्सलवादी छीनकर के ले जाते थे और कोई कुछ नहीं कर पाता था। नक्सली हमारे घर की बेटियों को उठाकर ले जाते थे। सब बेबसी में तड़प कर रह जाते थे। साथियों, आज जब वो माओवाद, नक्सलवाद खत्म हुआ तो वो मां, मेरी जनजातीय समाज की माताएं बहनें आज हमें अनेक-अनेक आशीर्वाद दे रही हैं। वो बहन हमें आशीर्वाद दे रही है जो आज अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही है। पीएम ने कहा कि जिसका बचपन छीन लिया गया था, वो अब युवा बनकर हमारे साथ जुड़ रहा है। उसको पढ़ाई के अवसर मिल रहे हैं। रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। जनजातीय समाज के भाई बहनों को मतदान तक नहीं करने दिया जाता था। तब की सरकारें मुखदर्शक बनी रहती थी।

पीएम मोदी ने दी जनजातीय गौरव दिवस की सौगात : सीएम साय

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज के गौरव भगवान बिरसा मुंडा को सम्मान देते हुए जनजातीय गौरव दिवस की सौगात दी। आज उन्होंने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर हमें गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने जनजातीय समाज के विकास के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने धरती आभा ग्राम उत्कर्ष योजना की शुरुआत की। जनजातीय समाज के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई योजनाएं शुरू की हैं। सीएम साय ने भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हुए कहा कि उन्होंने 25 वर्ष की आयू में अंग्रेजो के खिलाफ मोर्चा खोला। अंग्रेजों की गोलियों का मुकाबला उन्होंने तीर धनुष से किया। हमेशा में जनजातीय समाज के हक के लिए लड़ते रहे।



डिप्टी सीएम अरूण साव ने छत्तीसगढ़ी में दिया भाषण

डिप्टी सीएम अरूण साव ने छत्तीसगढ़ी में भाषण दिया। उन्होंने कहा कि देश ला आजाद कराए बर हजारों लाखों की संख्या में आदिवासी समाज के बेटा बेटी मन अपन जान के बाजी लगाकर ये देश ला आजाद कराई। छत्तीसगढ़ में भी शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधर जैसे नायक मन देश-देश की आजादी के लिए समाज के नेतृत्व करे के काम, अंग्रेज मन के तानाशाही और जुल्म के खिलाफसमाज के साथ मिलकर लड़ाई लड़े के काम करे हे। लेकिन आदिवासी समाज ला जतका सम्मान ये देश के अंदर मिल ना रही से आजादी के बाद पुराना सरकार मन कोई नई दिन और जब भी भारतीय जनता पार्टी के सरकार बनी से आदिवासी समाज के मानसम्मान और गौरव ला बढ़ाए के काम होए हे। आज नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़थे।

नितिन नवीन बोले- जनजातीय संस्कृति देश की पहचान

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति देश की पहचान है। भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफसंघर्ष किया। उन्होंने वीर नारायण सिंह, गैंद सिंह और वीर गुंडाधुर के बलिदान को याद किया। तिलका मांझी, सिद्धू-कान्हू, बुद्धू भगत, टंट्या भील और लक्ष्मण नायक सहित देशभर के जनजातीय नायकों को किया नमन। जनजातीय समाज के संघर्ष और बलिदान ने देश की आजादी की लड़ाई को मजबूती दी

आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन को पूजता है : सांसद साहू

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू बोले- आदिवासी समाज का इतिहास स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। यह समाज प्रकृति, जल, जंगल और जमीन को पूजता है। भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 साल की उम्र में अंग्रेजों के खिलाफविद्रोह किया और जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के लिए उलगुलान आंदोलन चलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि आदिवासी समाज के योगदान को सम्मान मिल सके। देश को पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मिलीं और छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन और शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीब और आदिवासी परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने का काम किया गया।



संपादकीय

चुभती महंगाई

कीमतों को काबू करना हो प्राथमिकता

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

> “ उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है।

यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दर्शाती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है। निस्संदेह, यह चिंताजनक स्थिति जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर में कुछ उम्मीद भी नजर आ रही है। वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में जीडीपी का 7.7 रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि आम आदमी के लिये यह स्थिति कष्टकारी हो सकती है। एक आम उपभोक्ता के लिये बढ़ती महंगाई के मायने जरूरी चीजों पर खर्च कम करना हो सकता है। ऐसे में कीमतों को स्थिर रखने की जरूरत और भी बढ़ जाती है। कालाबाजारी करने वालों और कृत्रिम रूप से महंगाई बढ़ाने वाले तत्वों पर नकेल कसना बेहद जरूरी है। आज की बदलती स्थिति पर नजर रखने और लोगों का बोझ कम करने के लिये आपातकालीन कदम उठाने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही सरकार के लिये भी जरूरी है कि वह मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के लिये प्रशासनिक व मौद्रिक उपायों की दिशा में आगे बढ़े।

जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने पिता की आंखें खोलीं....

कृष्ण प्रताप सिंह

आप बार-बार देश की आज़ादी की बातें करते हैं, उसके लिए लड़ाई भी लड़ रहे हैं। आपके विचारों व व्याख्यानों में प्रायः उसकी बात आती है, लेकिन उस तोते को पिंजरे में बंद कर आपने उसकी आज़ादी छीन ली थी और गुलाम बनाकर रख छोड़ा था। मैंने आपकी ही कही आज़ादी की बातों से प्रभावित होकर उसे आज़ाद कर दिया।



स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिसंबर, 1921 से मार्च, 1945 तक बीस बार जेल यात्राएं कर जीवन के साढ़े नौ साल जेलों में बिताने वाले पं. जवाहरलाल नेहरू के देश के पहले प्रधानमंत्री होने के अलावा भी कई परिचय हैं। उन्होंने 1944 में अहमदनगर फोर्ट जेल में रहते हुए अप्रैल से सितंबर के बीच के पांच-छह महीनों में अंग्रेज़ी में जो 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' लिखी, उसके आईने में देखें तो तय करना मुश्किल हो जाता है कि वे बड़े राजनेता थे या बड़े लेखक।

प्रसंगवश, विभिन्न भाषाओं में अनूदित हो चुकी 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' इस देश को समग्रता में समझने के लिए आज भी मील के पत्थर सरीखी है। इसमें नेहरू का बड़प्पन इस बात से भी झलकता है कि उन्होंने लिखा है कि वे इसे नहीं लिख पाते, अगर जेल में उन्हें आचार्य नरेंद्र देव का साथ और परामर्श प्राप्त नहीं हुआ होता। तिस पर, यह उनकी इकलौती कृति नहीं है। उनकी आत्मकथा के अलावा 'ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' जैसी कृति भी उनके खाते में है।

बचपन में पं. नेहरू अपने सख्त स्वभाव वाले पिता मोतीलाल नेहरू को स्वतंत्रता संघर्ष की गतिविधियों में सक्रिय देखते, तो मन ही मन उनके जैसा बनने की कल्पना किया करते। लेकिन उन्हें समझ में नहीं आता था कि आखिर क्यों उनके पिता सारे भारत को तो आज़ाद कराना चाहते हैं, लेकिन अपने पालतू तोते को पिंजरे में ही कैद किए रखना चाहते हैं। वे उसे बहुत प्यार करने का दावा तो करते हैं, घर के अंदर व बाहर आते-जाते उससे बातें भी किया करते हैं, लेकिन उसे पिंजरे से आज़ाद करने की नहीं सोचते।

सोचते-सोचते जब वे इस निष्कर्ष पर पहुंच गए कि पिता का इस तरह तोते को पिंजरे में बंद रखना ठीक नहीं है, तो एक दिन उन्होंने यह जानते हुए भी कि इससे पिता नाराज़ होकर कड़ी सज़ा देने पर भी उतर सकते हैं, पिंजरा खोलकर तोते को उड़ा दिया। शाम को पिता आए और इस बारे में जानकर घुड़कते हुए पूछा कि तुमने तोते को क्यों उड़ा दिया, तो उनका उत्तर था, 'आप बार-बार देश की आज़ादी की बातें करते हैं, उसके लिए लड़ाई भी लड़ रहे हैं। आपके विचारों व व्याख्यानों में प्रायः उसकी बात आती है, लेकिन उस तोते को पिंजरे में बंद कर आपने उसकी आज़ादी छीन ली थी और गुलाम बनाकर रख छोड़ा था। मैंने आपकी ही कही आज़ादी की बातों से प्रभावित होकर उसे आज़ाद कर दिया। आखिर बाकी देश के साथ उसको भी तो आज़ादी की ज़रूरत थी।' इस पर पिता मोतीलाल से कुछ कहते नहीं बना। उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर कहा, 'जवाहर, आज तुमने मेरी आंखें खोल दीं।'

दूसरा प्रसंग तब का है, जब प्रधानमंत्री बनने के बाद वे कुंभ मेले में गए थे। वहां उनकी एक झलक पाने के लिए उतावले लोगों की भीड़ में से अचानक एक वृद्धा उनकी कार के सामने आकर चिल्लाने लगी, 'अरे ओ जवाहर! कहां है तू तू कहता है कि आज़ादी मिल गई। पर किसे मिली आज़ादी? तुझ जैसे मोटर-गाड़ी में घूमने वालों को ही। हम जैसे गरीब लोगों को कहां मिली आज़ादी?'

वृद्धा की बातें सुनकर वे कार से उतरकर उसके सामने गए और विनम्र भाव से बोले, 'माता जी! आप पूछ रही हैं, कहां है आज़ादी? मैं बताता हूं आपको। आज आप आज़ाद हैं, इसीलिए अपने देश के प्रधानमंत्री को बेहिचक तू कहकर डांट पा रही हैं।' वृद्धा का गुस्सा शांत हुआ, तो उन्होंने पाया कि उसके असंतोष का कारण यह था कि सरकारी अमला उसकी एक समस्या का समाधान नहीं कर रहा था। उन्होंने उसे उसकी समस्या के समाधान के प्रति आश्वस्त किया, तब आगे बढ़े।

उनके परिवार के बारे में आम धारणा है कि वह इतना संपन्न था कि उसके सदस्यों के कपड़े भी पेरिस में धुलने के लिए भेजे जाते थे! लेकिन नेहरू ने कैसी विलासितविहीन जीवनशैली अपना रखी थी, इसे जानने के लिए एक वाकये पर नज़र डालना दिलचस्प होगा।

उनके नाती राजीव गांधी पढ़ने के लिए विदेश गए, तो उनकी बेटी इंदिरा गांधी की कोई नियमित आय नहीं थी। इसलिए इंदिरा के बजाय उन्हें ही राजीव को पैसे भेजने पड़ते थे। एक बार राजीव को कुछ ज़्यादा पैसों की ज़रूरत पड़ी और उन्होंने इस बाबत उन्हें बताया, तो उन्हें जवाब मिला, 'तुम्हारी परेशानी जानकर पीड़ा हुई। पर मेरा विश्वास करो, मैं जो कुछ तुम्हें भेज पा रहा हूं, वही मैं अपने वेतन से अफोर्ड कर सकता हूं। मेरी पुस्तकों की रॉयल्टी भी अब बहुत कम मिलती है। लगता है, अब कम लोग ही मुझे पढ़ते हैं। मगर तुम वहां खाली समय में कोई काम क्यों नहीं करते मुझे मालूम है कि दूसरे देशों से जाने वाले ज़्यादातर विद्यार्थी वहां काम करते हैं। इस तरह तुम्हें भी शांति रहेगी और मुझे भी।' कहते हैं कि उनकी इस सीख के बाद राजीव ने वहां कई मामूली समझे जाने वाले काम किए और अपना खर्च चलाया।

यहां यह भी याद किया जा सकता है कि 1977 के लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के फलस्वरूप इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रहीं, तो लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने कुछ महीनों बाद उनसे हुई एक आत्मीय भेंट में पूछा था, 'इंदु, अब तुम्हारे घर का खर्च कैसे चल रहा है?' तब इंदिरा गांधी ने सहज भाव से बताया था, 'पिताजी की पुस्तकों की रॉयल्टी आ जाती है।'

साफ है कि नेहरू जितने बड़े राजनेता थे, उतने ही बड़े लेखक भी। इसके बगैर वह वैचारिक स्पष्टता उनकी थाती नहीं बन सकती थी, जिसके तहत कभी उन्होंने कहा था कि यों तो जीवन में भय जितना बुरा और खतरनाक कुछ भी नहीं है, लेकिन अत्यधिक सतर्क रहने की नीति सभी खतरों में सबसे बड़ी है। हां, दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, उससे अधिक यह मायने रखता है कि हम वास्तव में क्या हैं।

जनजातीय अंचलों का सर्वांगीण विकास ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला

सुनील त्रिपाठी

जनजातीय गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा सहित उन महान जननायकों के संघर्ष, साहस और स्वाभिमान को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता, संस्कृति और प्रकृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, अपनी परंपराओं पर गर्व करने और समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। यह दिवस जनजातीय समाज के योगदान को नमन करने के साथ उनके सम्मान, अधिकार और विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर भी है।

छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति से गहरे जुड़ाव से है। बस्तर से सरगुजा तक फैले जनजातीय अंचल प्रदेश की आत्मा हैं। इन क्षेत्रों का विकास केवल सुविधाएं पहुंचाने तक सीमित नहीं है। विकास की योजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनें, जनजातीय समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो और उसकी संस्कृति तथा पहचान सुरक्षित रहते हुए हर परिवार को आगे बढ़ने के अवसर मिलें, यही विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, कल्याण और सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है। दूरस्थ अंचलों तक शासन की योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने, गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और युवाओं के लिए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनजातीय समाज की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में स्थान मिल रहा है। वर्ष 2026-27 के बजट में अनुसूचित जनजाति वर्ग के विकास के लिए आदिवासी उपयोजना मद में 34 प्रतिशत राशि का प्रावधान किया गया है। यह जनजातीय अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, सिंचाई, आजीविका और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में बजट संसाधनों को विकास की प्राथमिकताओं से जोड़ने और योजनाओं का लाभ गांव तथा परिवार तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क और संचार सुविधाओं का विस्तार गांवों को बाजार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ता है। सिंचाई और पेयजल जीवन को सहज बनाते हैं, जबकि कौशल विकास, कृषि, वनोपज और स्थानीय उद्यमों से जुड़े अवसर परिवारों की आय बढ़ा सकते हैं। योजनाओं का चयन क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर करना और उनका लाभ पारदर्शी ढंग से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। हर परिवार का अपना सुरक्षित घर हो, यह सम्मानजनक जीवन की बुनियाद है।



जनजातीय अंचलों में किफायती आवास उपलब्ध कराने और आवासीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री चौधरी के विभागीय नेतृत्व में आवास के साथ सड़क, बिजली, पानी और अन्य जरूरी सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। जनजातीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियां और स्थानीय जरूरतें अलग-अलग हैं। इसलिए आवास योजनाओं को वहां की परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ाना आवश्यक है। पक्का घर बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण देता है, महिलाओं और बुजुर्गों को सुरक्षा प्रदान करता है तथा परिवार को स्थायित्व का भरोसा देता है। दूरस्थ अंचलों तक आवास और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पंजीयन व्यवस्था में पारदर्शिता, सरलता और तकनीक का उपयोग आम नागरिकों के समय और संसाधनों की बचत करता है। पंजीयन मंत्री चौधरी के नेतृत्व में भूमि और संपत्ति से जुड़े कार्यों को अधिक सुगम बनाने, प्रक्रियाओं को स्पष्ट रखने और नागरिकों को बेहतर सेवा देने की दिशा में सुधार किए जा रहे हैं। महिला खरीदारों के लिए पंजीयन शुल्क में कमी जैसे निर्णयों से संपत्ति खरीदना अधिक किफायती हुआ है। जनजातीय क्षेत्रों के नागरिकों को भी पंजीयन संबंधी सेवाएं सहजता से उपलब्ध हों, यह जरूरी है।

स्थानीय उद्यम, महिला समूह और छोटे कारोबार जब संपत्ति तथा व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ी प्रक्रियाएं आसानी से पूरी कर पाते हैं, तो उनकी आर्थिक भागीदारी को बल मिलता है। सरल और भरोसेमंद व्यवस्था शासन पर लोगों का विश्वास बढ़ाती है तथा विकास के अवसरों तक उनकी पहुंच आसान करती है।

जीएसटी और स्थानीय आर्थिक गतिविधियां

जीएसटी व्यवस्था कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी और एकीकृत बनाने का माध्यम है। जनजातीय अंचलों में छोटे व्यापारियों, कारीगरों, लघु उद्यमों और वनोपज से जुड़े कारोबारियों को नियमों की जानकारी तथा प्रक्रियाओं को समझने में सहयोग मिलना चाहिए। वित्त मंत्री चौधरी के नेतृत्व में कर प्रशासन को अधिक सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता से छोटे कारोबारी औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं।

(सहायक संचालक जनसंपर्क)

लोकतंत्र में लोकसेवकों की राजशाही मानसिकता

विश्वनाथ सचदेव



सरकारी ख़ज़ाना किसी राजा या मंत्री का निजी ख़ज़ाना नहीं होता। यह पैसा शासन का है और शासकीय काम के लिए ही उसे खर्च किया जाना चाहिए। शासन का पैसा जनता की धरोहर है और इसे सही ढंग से जनता के हित के लिए ही खर्च किया जाना चाहिए।

लगभग दस साल पुरानी बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के आरा में एक चुनावी रैली में जनता से पूछा था, 'बताइए, कितने का पैकेज दूं?' और फिर खुद ही बोली लगाने वाले अंदाज़ में उन्होंने साठ हज़ार करोड़, सत्तर हज़ार करोड़ कहते हुए सवा लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। दूसरे दिन अख़बारों के पहले पन्ने पर बड़े-बड़े अक्षरों में छपा था—प्रधानमंत्री ने बिहार की जनता को सवा लाख करोड़ रुपये की सौगात दी। यह पहली बार नहीं था, जब किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह की सौगात देने की घोषणा की थी, और न ही यह आखरी बार थी। इसके बाद तो प्रधानमंत्री की तर्ज़ पर सौगात बांटने का यह नुस्खा राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपना लिया। अख़बारों में और टीवी पर बड़े-बड़े विज्ञापन देकर इस 'सौगात' की घोषणा की जाती है। ये विज्ञापन देखकर कई बार तो लगता है कि जनता को सौगात देने से ज़्यादा राशि इस घोषणा के विज्ञापनों पर खर्च हो जाती होगी!

प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री द्वारा अपने देश या राज्य की जनता को इस तरह के आर्थिक अनुदान देने और इसकी घोषणा करने में कुछ नया नहीं है। कुछ ग़लत भी नहीं है, सिवाय इसके कि यह राशि, जिसे सौगात कहकर प्रचारित किया जाता है, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्रियों के किसी निजी खाते से नहीं बांटी जाती। तो फिर इसे इस तरह भुनाने की कोशिश क्यों होती है? था कोई राजे-महाराजाओं का ज़माना, जब शासक अपनी प्रजा को ख़ैरात बांटा करते थे। अब न कोई किसी का शासक है और न ही कोई किसी की प्रजा। हमारा भारत अब एक गणतंत्र है, जिसमें कुर्सी पर भले ही कोई बैठा हो, पर असली शासक जनता ही होती है। हर नागरिक का एक वोट है और हर वोट की कीमत समान है—वोट चाहे राजा का हो या फ़क़ीर का! लेकिन आरा में प्रधानमंत्री द्वारा सौगात देने की उस घोषणा और जिस तरह आज राज्यों के मुख्यमंत्री ख़ैरात बांटने की घोषणाएं करते हैं तथा जनता के हक़ की राशि को 'सौगात' कहा जाता है, उससे लगता है कि हमारे वोट से सत्ता संभालने का अधिकार पाने वाले हमारे 'शासक' शायद स्वयं को राजा-महाराजाओं जैसा शासक ही मानने लगे हैं। हाल ही में दशहरे के अवसर पर एक भूतपूर्व राजा ने राजाओं जैसी वेशभूषा पहनकर शायद यही दिखलाना चाहा था कि वे अब भी राजा हैं!

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं को जनता का सेवक बताया था। अब भी प्रधानमंत्री और मंत्री स्वयं को जनता का सेवक तो बताते हैं, पर उनकी सोच और व्यवहार उन राजाओं जैसा ही दिखता है, जो स्वयं को अपनी प्रजा का पालक मानते थे। राजधानी दिल्ली में कई-कई एकड़ में फैले मंत्रियों के बंगले भी इसी बात की गवाही देते हैं कि जनतांत्रिक देश के ये नए शासक स्वयं को राजाओं जैसा ही देखते-समझते हैं। इसीलिए ख़ैरात बांटते हैं, सौगात देते हैं!

केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को दी जाने वाली राशि अथवा मुख्यमंत्रियों द्वारा राज्य की जनता के विकास के लिए खर्च की जाने वाली राशि जनता का अधिकार है। इसलिए, जब कोई शासक जनता से पूछता है कि बोलो, कितने पैसे दूं, और फिर इस दी गई राशि को 'सौगात' कहकर प्रचारित करता है, तो यह बात छिपी नहीं रहती कि उसकी मानसिकता वही राजा-महाराजाओं वाली है, जो यह मानते थे कि उन्हें ईश्वर ने शासन करने के लिए ही भेजा है। इन नए राजाओं के पास राजमहल भले ही न हों, पर वे अपने आवास को महलों जैसा अवश्य समझते हैं और वैसा ही बनाना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार जब दिल्ली में बनी थी, तो मुख्यमंत्री के लिए जो आवास बनाया-सजाया गया था, उसे 'शीशमहल' ही कहा जाने लगा था। जब इन नए शासकों के काफिले सड़क पर चलते हैं, तो अजीब-सा नज़ारा बन जाता है। आठ-दस कारों का काफिला लेकर चलते हैं हमारे मंत्री। सायरन बजाती उनकी कारें जब निकलती हैं, तो पदयात्री तो घबरा ही जाते हैं!

लोकतंत्र में जनता अपना शासक चुनती है। यह चुनाव होता भले ही शासन करने के लिए है, पर अपेक्षा यह होती है कि हमारा यह चुना हुआ प्रतिनिधि शासक की तरह नहीं, बल्कि सेवक की तरह जनता के हित में काम करेगा। सच्चाई यह भी है कि हमारे ये नए शासक कहते तो यही हैं कि वे जनता के सेवक हैं, पर उनकी सोच और मानसिकता इसके विपरीत ही दिखाई देती है। चुनावी सभाओं में की जाने वाली घोषणाएं और ख़ैरात बांटना हमारे शासकों की मानसिकता को ही दर्शाता है।

हमारे चुने हुए प्रतिनिधि अच्छे ढंग से रहें और उन्हें उचित एवं समुचित साधन उपलब्ध हों, इससे किसी को इनकार नहीं होगा। पर जब ये प्रतिनिधि राजशाही वाले शासकों की मानसिकता के साथ जीने लगते हैं, तो उन्हें यह कहने का मन तो करता ही है कि आप राजा नहीं हैं, जनता के सेवक हैं। आपसे एक ईमानदार सेवक की तरह काम करने की अपेक्षा है।

टीवी चैनलों और अख़बारों में बड़े-बड़े (महंगे) विज्ञापन देकर हमारे ये प्रतिनिधि जब यह अहसास कराते हैं कि विकास के लिए दी गई राशि उनकी कृपा का फल है, तो हैरानी भी होती है और क्षोभ भी। यह राशि पाना जनता का अधिकार है और यह राशि जुटाना जनतांत्रिक सरकार का कर्तव्य है। सरकार का काम है ऐसी नीतियां बनाना और उन्हें लागू करना, जो जनता के हित में हों। ऐसे में यदि कोई मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री यह समझने-मानने लगता है कि सरकारी ख़ज़ाना उसकी संपत्ति है और वह जिस तरह चाहे उसे खर्च कर सकता है, तो यह उसकी नादानी ही नहीं, बल्कि एक हद तक नासमझी भी होगी। आचार्य चाणक्य का यह प्रसंग उन सब शासकों के लिए एक शिक्षा है, जो यह मानकर बैठे हैं कि सरकारी ख़ज़ाना उनकी निजी संपत्ति है, जिसे वे मनचाहे ढंग से खर्च कर सकते हैं अथवा बांट सकते हैं। जनसभाओं में जनता के विकास की राशि को जिस तरह 'बांटा' जाता है और आज जिस तरह इस राशि को सरकार की उपलब्धियों के प्रचार के लिए लुटाया जा रहा है, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। अनुचित का समर्थन भी अनुचित ही है, यह बात हमें समझनी होगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

8 से 11 दिसंबर तक होगी खुली संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली प्रतिष्ठित खुली संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 8 से 11 दिसंबर 2026 तक महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कर्नाटक संगीत (सुगम एवं शास्त्रीय गायन), हिंदुस्तानी संगीत (सुगम एवं शास्त्रीय गायन), लोक गायन, एकल नृत्य (भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथक एवं ओडिसी), हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (तंतु वाद्य एवं ताल वाद्य) तथा खुली आयु वर्ग समूह नृत्य स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए आयु समूह को दो वर्गों में विभाजित किया गया है, जिसमें 6 से 12 वर्ष तथा 13 से 18 वर्ष के प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे। प्रतिभागी अधिकतम दो विधाओं में ही भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों को प्रवेश पत्र 18 नवंबर 2026 से 5 दिसंबर 2026 तक प्रदान किए जाएंगे। प्रवेश पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 5 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है।

कलेक्टर ने पारदर्शी और सुव्यवस्थित धान खरीदी के दिए निर्देश

दुर्ग। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ 15 नवंबर से होने जा रहा है। आगामी धान उपार्जन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज साइंस कॉलेज में नोडल अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने धान खरीदी प्रक्रिया को त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में कुल 123 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 21 नवीन उपार्जन केंद्र शामिल हैं। जिले में धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होकर 15 जनवरी तक चलेगी। गिरदावरी एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य भी पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि किसानों के हित में शासन द्वारा इस वर्ष महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव किया गया है। इसके तहत यदि कोई किसान अपने कुल दर्ज रकबे के अनुपात में कम धान लेकर भी उपार्जन केंद्र पहुंचता है, तब भी उसे पूरे रकबे के आधार पर आदान सहायता की राशि प्रदान की जाएगी। धान खरीदी के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत एवं फार्मर आईडी प्राप्त किसानों से निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप धान का उपार्जन किया जाएगा। धान में अधिकतम 17 प्रतिशत तक नमी स्वीकार्य होगी। खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली अपनाई जाएगी। इसके लिए मार्कफेड द्वारा फिंगरप्रिंट एवं आइरिस डिवाइस उपलब्ध कराई गई है। किसान 15 जनवरी तक की अवधि के लिए टोकन प्राप्त कर सकेंगे। टोकन व्यवस्था के संबंध में बताया गया कि किसानों को 70 प्रतिशत टोकन ऑनलाइन ऐप के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत टोकन समितियों के माध्यम से जारी किए जाएंगे। इससे उन किसानों को भी सुविधा मिलेगी।

सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा का भिलाई प्रवासः रावघाट खदान परियोजना में तेजी लाने पर दिया विशेष बल

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ. अशोक कुमार पंडा 14 नवंबर 2026 को भिलाई प्रवास पर आए। भिलाई आगमन पर निदेशक प्रभारी (बीएसपी) चित्तरंजन महापात्र ने उनका स्वागत किया। इस दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा व्यवस्था, समग्र कार्यनिष्पादन, प्रमुख परिचालन गतिविधियों तथा रावघाट खदान परियोजना की प्रगति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा एवं चर्चा की गई।

डॉ. अशोक कुमार पंडा ने इस्पात भवन में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक में डॉ. पंडा ने निदेशक प्रभारी (भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्तरंजन महापात्र एवं वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्यों के साथ रावघाट खदान परियोजना की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही खनन गतिविधियों की वर्तमान स्थिति तथा परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रदर्शन, उत्पादन संबंधी गतिविधियों एवं प्रमुख परिचालन प्राथमिकताओं की जानकारी ली। उन्होंने संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति, उत्पादकता में वृद्धि तथा सुरक्षा एवं परिचालन दक्षता पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इसके अतिरिक्त, डॉ. पंडा ने भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशकगण एवं मुख्य महाप्रबंधकगण के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक में संयंत्र के सुरक्षा कार्यनिष्पादन की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों एवं परिचालन क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन की स्थिति पर चर्चा की। कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान, कार्मिकों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए निर्धारित सुरक्षा नियमों एवं प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

डॉ. पंडा ने रावघाट खदान परियोजना के कार्यों में तेजी लाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि यह परियोजना भिलाई इस्पात संयंत्र की कच्चे माल की उपलब्धता एवं आपूर्ति सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। समीक्षा बैठक में निदेशक प्रभारी (बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र सहित वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्य उपस्थित रहे।

आलबरस को 36.60 लाख के विकास कार्यों की सौगात

गांव, गरीब, किसान, माताओं-बहनों और युवाओं का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकताः ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आलबरस में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने ग्रामीणों को 36.60 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

इन विकास कार्यों में कुर्मी भवन में शेड निर्माण के लिए 8 लाख रुपये, सीसी रोड निर्माण के लिए 13.60 लाख रुपये, ओपन जिम निर्माण के लिए 6 लाख रुपये तथा डोम शेड निर्माण के लिए 9 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कुल 36.60 लाख रुपये की लागत से होने वाले इन कार्यों से गांव में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि गांवों की खुशहाली, किसानों की समृद्धि और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना राज्य सरकार का प्रमुख संकल्प है। गांव, गरीब, किसान, मजदूर, माताओं-बहनों और युवाओं का सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है। किसी भी क्षेत्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब गांव मजबूत हों, किसानों को बेहतर संसाधन मिलें, युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध हों और आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं मिलें।

विधायक चंद्राकर ने किसानों के हित में जानकारी देते हुए बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए किसानों को धान की निर्धारित पूरी मात्रा का विक्रय करना अनिवार्य नहीं होगा। निर्धारित मात्रा से कम धान बेचने वाले किसानों को भी सत्यापित रकबे के आधार पर पात्रतानुसार सहायता राशि का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करना और कृषि क्षेत्र में समृद्धि लाना सरकार की प्राथमिकता है। विधायक ने बताया कि प्रदेश में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होगी।

किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष प्रदेश में 360 नए धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन्हें मिलाकर लगभग 3100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य अन्नदाताओं के जीवन में खुशहाली लाना है। धान खरीदी की पूरी तैयारी के साथ किसानों से धान का एक-एक दाना खरीदने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

विकास कार्यों के कार्यक्रम के बाद विधायक ललित चंद्राकर ने धान खरीदी केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आगामी धान खरीदी की तैयारियों की जानकारी ली तथा समिति प्रबंधक और सोसायटी अध्यक्ष को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने खरीदी केंद्र में किसानों की सुविधा, व्यवस्थाओं और तैयारियों को लेकर विशेष ध्यान देने की बात कही।

मध्य ब्लॉक कांग्रेस ने मनाई पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम पंडित नेहरू के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने नेहरू जी के व्यक्तित्व, उनके विचारों और आधुनिक भारत के निर्माण में दिए गए उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि नेहरू जी का सपना था - शिक्षित, वैज्ञानिक सोच वाला और मजबूत भारत, जिसे हम सबको मिलकर साकार करना है।

इसके पश्चात मोचीपारा स्थित आंगनवाड़ी (बाल मंदिर) में बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहाँ बच्चों को फल, बिस्किट एवं मिठाई वितरित की गई। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखकर पूरा वातावरण खुशियों से भर गया। कांग्रेसजनों ने बच्चों के साथ समय बिताया, उन्हें नेहरू जी के जीवन के बारे में बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफअहमद ने कहा कि पंडित नेहरू जी बच्चों को बहुत प्रेम करते थे, इसलिए उनकी जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चों का भविष्य ही देश का भविष्य है। हमारा कर्तव्य है कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य और अच्छा संस्कार मिले।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रायसिंह धिकोला, अजय मिश्रा, राहुल शर्मा, सुमित घोष, पूर्व एल्डरमैन देव सिन्हा, कल्याण सिंह ठाकुर, अली असगर, रवि कोसरिया, पाशी अली, हिमांशु शर्मा उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा जयंती और बाल दिवस पर भारत स्काउट-गाइड ने किया रक्तदान, दिया जीवन बचाने का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर मनाए जाने वाले बाल दिवस के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में जिला चिकित्सालय दुर्ग परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता संजय बोहरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम में स्काउट-गाइड के बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम को जिला प्रशासन एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. मिंज तथा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. चुरेंद्र के सहयोग से रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिविर के दौरान एक विशेष बात यह देखने को मिली कि कक्षा दसवीं में अध्ययनरत बालिकाओं ने रक्तदान की पूरी प्रक्रिया को बेहद उत्सुकता से देखा और इसके महत्व को समझा। उन्होंने संकल्प लिया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद वे भी नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करेंगी। इस पहल ने युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत धीर, समाजसेवी संजय बोहरा, बालक दास, ललित बिजोरा सहित अन्य लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया।

बीएसपी के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग में प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग में प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। वेलफेयर बिल्डिंग क्रमांक-7 (पुराना एसएमएस-1 भवन) में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (एसईडी) सुश्री पुष्पा एंब्रोस ने प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया।

यह प्रशिक्षण केंद्र संयंत्र के नियमित कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। इसके माध्यम से उन्हें सुरक्षा नियमों एवं मानकों के पालन, सुरक्षित कार्य पद्धतियों को अपनाने तथा कार्य के दौरान संभावित जोखिमों की पहचान और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण केंद्र में कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों को कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, सुरक्षा नियमों, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के उचित उपयोग तथा विभिन्न कार्यस्थलों पर संभावित खतरों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाएगा। नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से सुरक्षित कार्य व्यवहार को बढ़ावा देने और सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियों के प्रति सजगता विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

इस प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना का उद्देश्य संयंत्र में कार्यरत प्रत्येक कार्मिक एवं ठेका श्रमिक को कार्यस्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहभागी बनाना है। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सुरक्षा नियमों की जानकारी के साथ-साथ उनका व्यवहार में पालन करना भी आवश्यक है। इस दिशा में प्रशिक्षण केंद्र कार्मिकों को आवश्यक जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग की यह पहल संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता के विस्तार, सुरक्षित कार्य पद्धतियों को प्रोत्साहन तथा सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन में सहायक होगी। नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों को कार्यस्थल पर संभावित खतरों के प्रति सजग बनाने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने हेतु तैयार किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षित कार्य संस्कृति को और मजबूत बनाने तथा दुर्घटनामुक्त कार्यस्थल के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

भेड़सर में भूपेश बघेल का बैलगाड़ी से ऐतिहासिक स्वागत, राउत नाचा की पारंपरिक वेशभूषा ने केंद्रित किया आकर्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। ग्राम भेड़सर में आयोजित दीपावली महोत्सव एवं भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जनजीवन का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का क्षेत्रवासियों ने छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुरूप बैलगाड़ी से ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया। बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने उत्साह, उमंग और आत्मीयता के साथ उनका अभिनंदन किया।

बैलगाड़ी में सवार होकर भूपेश बघेल ने उपस्थित जनसमुदाय का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर एवं विशिष्ट अतिथि पीसीसी संयुक्त महामंत्री राजेन्द्र साहू तथा महापौर निर्मल कोसरे भी उनके साथ बैलगाड़ी में सवार नजर आए। पारंपरिक बैलगाड़ी से किया गया यह स्वागत ग्रामीण संस्कृति, कृषि परंपरा और छत्तीसगढ़ की अस्मिता का जीवंत प्रतीक बना। मंच पर पहुंचते ही भूपेश बघेल पारंपरिक राउत नाचा की वेशभूषा में दिखाई दिए। उनकी इस पारंपरिक छवि ने उपस्थित जनसमुदाय के बीच विशेष आकर्षण पैदा किया। लोककलाकारों की प्रस्तुतियों, पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक रंगों ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भूपेश बघेल ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की असली पहचान यहां की लोकसंस्कृति, तीज-त्योहार, किसान, मजदूर और मेहनतकश जनता है। हमारी परंपराएं केवल उत्सव मनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक एकता, भाईचारे, आपसी सहयोग और सामूहिक खुशियों का संदेश देती हैं। बैलगाड़ी, गाड़ा-बैला, राउत नाचा और लोकपरंपराएं हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हुई हैं। इन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि गांव और किसान छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद हैं। किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और गरीब परिवारों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। प्रदेश की खुशहाली का रास्ता गांवों के विकास, कृषि की मजबूती और आम जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव से होकर गुजरता है। सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है, जिसे हर परिस्थिति में बनाए रखना आवश्यक है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर अपनी बात रखते हुए श्री बघेल ने संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और जनता के विश्वास पर निर्भर करती है। प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए जनभागीदारी को आवश्यक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि ग्राम भेड़सर के ग्रामीणों ने जिस आत्मीयता, उत्साह और पारंपरिक अंदाज में आदरणीय भूपेश बघेल जी का स्वागत किया है।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



महतारी वंदन से पहाड़ी कोरवा शांति को मिला आर्थिक संबल

अम्बिकापुर। जनजातीय समाज की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और परिवार की जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी को मजबूत करने में महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए संबल बन रही है। योजना से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय की महिलाएं भी लाभान्वित हो रही हैं और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक योगदान दे रही हैं।

सरगुजा जिले के ग्राम मानिकप्रकाशपुर निवासी श्रीमती शांति पहाड़ी कोरवा के लिए महतारी वंदन योजना की सहायता राशि बच्चों की जरूरतें पूरी करने का सहारा बनी है। चार बच्चों की जिम्मेदारी संभाल रहीं शांति बताती हैं कि उन्हें योजना के तहत हर महीने राशि मिलती है, जिसका उपयोग वह बच्चों के खर्च और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। नियमित रूप से मिलने वाली इस आर्थिक सहायता से उन्हें परिवार के खर्चों के प्रबंधन में मदद मिल रही है।

शांति पहाड़ी कोरवा ने योजना से मिल रहे लाभ के संबंध में बताया कि महतारी वंदन योजना का पैसा मिलने से बच्चों का खर्च चलाने में काफी मदद मिलती है। हर महीने मिलने वाली राशि वह बच्चों के लिए खर्च करती हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वह विष्णु भैया को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हैं।

उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की जाती है। इस राशि से महिलाएं अपनी और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्राप्त कर रही हैं।

उपमुख्यमंत्री साय ने रोड-साइड गुमटी पर ली चाय की चुस्की, साथ किया दोपहर का भोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल्स के भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने स्ट्रीट वेंडर के हाथों की चाय का लुत्फ लिया।

उनके साथ स्टॉल देख रहे जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मिट्टी के कुल्हड़ में चाय की चुस्कियां लीं। श्री साव ने फूड-स्टॉल्स के अवलोकन के दौरान पथ विक्रेताओं से बात कर उनके व्यवसाय की जानकारी ली और पीएम स्वनिधि योजना का फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यक्रम के बाद महिला पथ विक्रेताओं के साथ बैठकर लंच किया।

स्वनिधि महोत्सव में स्ट्रीट वेंडर्स ने उप मुख्यमंत्री को सुनाई अपनी कहानी



स्वनिधि महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के दो लाभार्थियों ने उप मुख्यमंत्री श्री साव से अपनी कहानी साझा की। धमतरी के दिलीप यादव ने बताया कि उन्होंने 10 हजार रुपए के ऋण से कारोबार शुरू किया था। उन्होंने समय पर ऋण की किस्तें भरकर अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए दूसरे चरण में 20 हजार रुपए और तीसरे चरण में 50 हजार रुपए का भी ऋण लिया। इससे पहले वे ठेले पर प्लास्टिक के सामान बेचते हैं।

फिंगेश्वर की सुशीला श्रीवास्तव सिलाई का काम करती हैं। पहले चरण में मिले 10 हजार रुपए के ऋण की किस्त पटाने के बाद अपने काम को बढ़ाने के लिए उन्होंने दूसरे चरण में 20 हजार रुपए और तीसरे चरण में 50 हजार रुपए का ऋण लिया है। पीएम स्वनिधि योजना से उसके काम और परिवार के हालात में काफी बदलाव आया है। अब उनका परिवार बेहतर तरीके से जीवन यापन कर रहे हैं।

1857 की क्रांति से भी पहले हुआ था परलकोट विद्रोह

स्वतंत्रता के साथ ही जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए सदैव जागरूक रहा है छत्तीसगढ़ का जनजातीय समाज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक सुंदरता और लोक-संस्कृति ही नहीं, बल्कि अपने अदम्य जनजातीय साहस के लिए भी इतिहास में अपना अलग महत्व रखती है। यहां के वनवासियों के लिए आजादी केवल सत्ता का बदलाव नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति और 'जल, जंगल, जमीन' के अधिकारों की रक्षा का संकल्प थी।



1857 की क्रांति से करीब तीन दशक पहले परलकोट विद्रोह से लेकर भूमकाल और जंगल सत्याग्रह तक, यहां के जननायकों ने विदेशी हुकूमत के खिलाफ शौर्य और बलिदान की मिसाल पेश की। अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और बेगार प्रथा के विरुद्ध यह संघर्ष कभी सशस्त्र विद्रोह के रूप में, तो कभी अहिंसक सत्याग्रह के रूप में गूंजा। बस्तर से लेकर सरगुजा और रायपुर तक फैली इस क्रांति ने न केवल स्थानीय अधिकारों की रक्षा की, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी अमूल्य योगदान दिया।

इन गुमनाम नायकों की गाथा को जीवंत रखने के लिएनवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय बनाया गया है। यह देश का पहला डिजिटल जनजातीय संग्रहालय है। 14 दीर्घाओं और 650 मूर्तियों वाले इस संग्रहालय में परलकोट, भूमकाल और जंगल सत्याग्रह जैसे ऐतिहासिक संघर्षों की गाथाएं प्रदर्शित हैं। संग्रहालय परिसर में शहीद वीर नारायण सिंह की भव्य अश्वारूढ़ प्रतिमा भी स्थापित है। छत्तीसगढ़ के पहले स्वतंत्रता सेनानी, स्वतंत्रता सेनानी, सोनाखान के जमींदार वीर नारायण सिंह ने 1856 के अकाल में ग्रामीणों को अन्न बांटकर मानवता की मिसाल पेश की थी जिसे अंग्रेजों ने अपराध माना और उन्हें जेल में डाल दिया। 1857 की क्रांति में वे जेल से निकलकर अंग्रेजों के खिलाफ डटे रहे और 10 दिसंबर,1857 को उन्हें रायपुर के जयस्तंभ चौक पर फांसी दे दी गई। उनकी शहादत छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान का प्रतीक है। उनके सम्मान में नवा रायपुर में संग्रहालय और रायपुर में क्रिकेट स्टेडियम बनाया गया है।

शहीद गैंदसिंह : 1857 की क्रांति से लगभग तीन दशक पहलेबस्तर में स्वतंत्रता की पहली चिंगारी सुलग उठी थी। परलकोट विद्रोह के नायक शहीद गैंदसिंह ने मराठा और अंग्रेजी सत्ता के हस्तक्षेप के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया था। वर्ष 1824-25 में उनके नेतृत्व में आदिवासियों ने पारंपरिक हथियारों से संघर्ष किया। जनवरी 1825 में अंग्रेजों और मराठों की संयुक्त सेना ने उन्हें बंदी बना लिया और 20 जनवरी,1825 को परलकोट में फांसी दे दी।

वीर गुण्डाधूर एवं डेबरीधुर : परलकोट के बाद बस्तर में 1910 में भूमकाल विद्रोह की ज्वाला भड़की, जिसके महानायक वीर गुण्डाधूर थे। नेतानार के धुरवा आदिवासी गुण्डाधूर ने अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों, बेगारी और वन अधिकारों के हनन के विरुद्ध आदिवासियों को संगठित किया। अंग्रेजों द्वारा आंदोलन दबाए जाने के बावजूद गुण्डाधूर कभी पकड़े नहीं जा सके। श्रद्धांजलि स्वरूप उनके जन्मस्थान नेतानार से शहीद वीर गुण्डाधूर सेवा डेराकी शुरुआत की गई है। भूमकाल आंदोलन में गुण्डाधुर के सबसे करीबी सहयोगी बोरगाधुर (डेबरीधुर) भी महान क्रांतिकारी थे। गद्दारों के कारण पकड़े जाने पर 29 मार्च,1910 को जगदलपुर के गोल बाजार स्थित इमली पेड़ पर उन्हें फांसी दी गई।

क्रांतिवीर कंगला मांझी : कांकेर के तेलावट गांव के निवासी और गोंड समुदाय के कंगला मांझी (हीरा सिंह देव) ने वर्ष 1913 से आंदोलन से जुड़कर अनुशासन और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जनजातीय समाज को एकजुट किया। आजादी के बाद भी वे आदिवासियों के उत्थान में सक्रिय रहे और 'आदिवासी किसान सैनिक संगठन' की परंपरा विकसित की। 5 दिसंबर, 1984 को उनका निधन हुआ। उनके द्वारा स्थापित मांझी सरकार की परंपरा आज भी जीवित है।

बंटू धुरवा, सुकदेव पातर एवं रामधीन गोंड : कंगला मांझी से प्रेरित होकर कई नायक आंदोलन में आए। बंटू धुरवा 1910 के भूमकाल आंदोलन से जुड़े थे। वहीं सुकदेव पातर ने झंडा सत्याग्रह के तहत भेलवापानी में अहिंसक प्रतिरोध का नेतृत्व किया। शहीद रामधीन गोंड जंगल सत्याग्रह के प्रमुख सेनानी थे।

संत रामेश्वर गहिरा गुरु : संत गहिरा गुरु (मूल नाम रामेश्वर कंवर) का जन्म 1905 में रायगढ़ के गहिरा ग्राम में हुआ था। वे एक महान संत और समाज सुधारक थे। उन्होंने शिक्षा, स्वच्छता, नशामुक्ति और सामाजिक अनुशासन के प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। 1943 के बाद उनके सामाजिक कार्यों का विस्तार हुआ। उन्होंने 1953 में कैलाश गुफा आश्रम और संस्कृत शिक्षा संस्थानों की स्थापना की। 21 नवंबर,1996 को उनके निधन तक उन्होंने वनांचलों में शिक्षा और जनजागरण का अलख जगाया।

माता राजमोहिनी देवी : सरगुजा के सरसेड़ा में 7 जुलाई, 1914 को जन्मीमाता राजमोहिनी देवीमहान समाज सुधारक थीं। उन्होंने जनजातीय समाज में नशाबंदी, स्वच्छता और महिलाओं की जागरूकता के लिए अभियान चलाया। वर्ष 1953 में उन्होंने भटगांव सत्याग्रह का नेतृत्व कियाजिससे समाज में व्यापक बदलाव आया। उनके सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें 1989 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वे महिला सशक्तिकरण की बड़ी प्रतीक थीं। इन जननायकों की गाथाएं छत्तीसगढ़ की जनजातीय विरासत का अमूल्य अंग हैं। जनजातीय गौरव दिवस जैसे आयोजन के माध्यम से इन अमर सेनानियों के बलिदान को अगली पीढ़ियों तक पहुंचा रहे हैं।

सुरक्षा, विश्वास, अवसर और विकास से हो रहा जनजातीय गौरव का पुनर्जागरण : विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि किसी समाज का गौरव केवल उसके गौरवशाली अतीत में नहीं, बल्कि वर्तमान में उसकी पहचान, अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा तथा भविष्य के निर्माण के अवसरों में भी निहित होता है। भारत का जनजातीय समाज इसका सशक्त उदाहरण है। अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं, सामुदायिक जीवनशैली और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के कारण इस समाज ने देश की सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संघर्ष तक जनजातीय समाज का योगदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज जनजातीय समाज के गौरव और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उसके वर्तमान को सुरक्षित और भविष्य को बेहतर बनाना भी उतना ही आवश्यक है। इसके लिए भयमुक्त वातावरण, शासन के प्रति विश्वास और विकास के समान अवसर अनिवार्य हैं। छत्तीसगढ़ जैसे जनजातीय बहुल प्रदेश में इन तीनों आधारों का महत्व और भी बढ़ जाता है।

भगवान बिरसा मुंडा इसी संघर्ष, स्वाभिमान और जनचेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने जनजातीय अस्मिता, अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए जिस साहस के साथ संघर्ष किया, वह आज भी हमें प्रेरणा देता है। उनकी जयंती पर मनाया जाने वाला जनजातीय गौरव दिवस केवल अतीत के नायकों को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके सपनों के अनुरूप एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और सम्मानजनक समाज के निर्माण का संकल्प लेने का दिन है। वर्ष 2021 से 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत इसी राष्ट्रीय संकल्प की अभिव्यक्ति है।

छत्तीसगढ़ के संदर्भ में इस संकल्प का महत्व और भी बढ़ जाता है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक फैली जनजातीय विरासत हमारी पहचान है। लेकिन इस विरासत का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब यहां रहने वाले परिवारों को सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल और आजीविका के समान अवसर मिलें। जनजातीय गौरव की रक्षा का अर्थ उनकी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें विकास की प्रक्रिया में समान भागीदार बनाना भी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी छत्तीसगढ़ सरकार इसी सोच के साथ जनजातीय अंचलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध



है। हमारा विश्वास है कि जनजातीय समाज का उज्ज्वल भविष्य 'सुरक्षा, विश्वास और विकास' इन तीन आधारों पर टिकता है। सुरक्षा भयमुक्त जीवन का आधार है, विश्वास शासन और समाज के बीच मजबूत संबंध बनाता है और विकास लोगों को बेहतर भविष्य के अवसर देता है।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों, विशेषकर बस्तर और अबूझमाड़ के अनेक क्षेत्रों ने लंबे समय तक माओवादी हिंसा की गंभीर चुनौती का सामना किया है। इस लंबे संघर्ष का निर्णायक पड़ाव 31 मार्च 2026 को आया, जब देश से सशस्त्र नक्सलवाद के उन्मूलन का निर्धारित लक्ष्य हासिल किया गया। आज बस्तर सहित पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। यह बदलाव केवल सुरक्षा के मोर्चे पर मिली सफलता नहीं, बल्कि उन जनजातीय परिवारों के लिए एक नए भविष्य की शुरुआत है, जो पीढ़ियों से भयमुक्त जीवन, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की प्रतीक्षा कर रहे थे।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बदली हुई परिस्थितियों में हमारी प्राथमिकता शांति के इस वातावरण को स्थायी बनाना और इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सुरक्षा का उद्देश्य केवल हिंसा पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों को ऐसा वातावरण देना है, जिसमें वे निर्भय होकर अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आगे बढ़ सकें।

बस्तर और अबूझमाड़ के दूरस्थ गांवों तक सड़क, पुल, संचार और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा है। हमारा लक्ष्य है कि भौगोलिक कठिनाइयां और अतीत की परिस्थितियां किसी भी गांव के विकास में स्थायी बाधा न बनें। शासन की पहुंच अंतिम बसाहट तक हो और वहां के लोगों को भी वही सुविधाएं तथा अवसर मिलें, जिनके वे समान रूप से अधिकारी हैं।

जनजातीय विकास के लिए केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) एक महत्वपूर्ण पहल है। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस अभियान में आवास, सड़क, पेयजल, बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और आजीविका जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जून 2026 तक के केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में इस अभियान के दायरे में 1,463 विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल गांव, 2,198 बसाहटें और लगभग 2,34,986 जनजातीय आबादी शामिल है। यह अभियान उन परिवारों तक सुविधाएं पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिनकी बसाहटें दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों में होने के कारण लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से दूर रही हैं।

जून 2026 तक छत्तीसगढ़ में पीएम-जनमन के अंतर्गत 33,847 आवास स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 22,907 पूरे हो चुके थे। ग्रामीण सड़कों के लिए 2,901.95 किलोमीटर लंबाई की स्वीकृति के विरुद्ध 1,796 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा किया जा चुका था। पेयजल के क्षेत्र में 1,422 गांवों में काम स्वीकृत था और 500 गांवों को संतृप्त किया जा चुका था। जनजातीय बसाहटों में स्वीकृत 191 आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित थे।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना और पीएम जनमन योजना के अंतर्गत राज्य के कुल 25.28 लाख स्वीकृत आवासों में जनजातीय वर्ग का हिस्सा 39.01 प्रतिशत (9.86 लाख) है। पीएम-जनमन योजना शत-प्रतिशत पीवीटीजी जनजातियों हेतु समर्पित है। राज्य में कुल पूर्ण 21.31 लाख आवासों में जनजातीय वर्ग की हिस्सेदारी 37.03 प्रतिशत (7.89 लाख) है। आवास किसी परिवार के लिए केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का आधार है। हमारा प्रयास है कि पात्र परिवारों को आवास के साथ शौचालय, पेयजल, बिजली और आजीविका जैसी सुविधाओं से भी जोड़ा जाए।

दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में संपर्क सुविधाओं का विस्तार भी विकास की प्राथमिक आवश्यकता है। पीएम-जनमन ग्रामीण संपर्क योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए छत्तीसगढ़ को 259 करोड़ रुपये स्वीकृत किए। सितंबर 2025 तक इस योजना के तहत राज्य के लिए केंद्रीय सहायता 500 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी थी। इसके अतिरिक्त, पीएम-जनमन के दूसरे बैच में 6,569.56 मीटर लंबाई के 100 पुलों के निर्माण के लिए 375.71 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली। इन सड़कों और पुलों से दूरस्थ गांवों को मुख्य संपर्क मार्गों से जोड़ने में मदद मिलेगी।

सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से बिरसा मुंडा के सपनों को साकार कर रहा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जल, जंगल और जमीन पर अधिकार, जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा ने जो ऐतिहासिक आंदोलन चलाया था, उसने देशभर के आदिवासियों को शोषण के खिलाफ संगठित होने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की अदम्य प्रेरणा दी थी। उन्होंने एक ऐसे समाज का सपना देखा था, जहाँ आदिवासी समुदाय अपने प्राकृतिक संसाधनों पर पूर्ण अधिकार के साथ एक सम्मानजनक जीवन जी सके और अपनी विशिष्ट संस्कृति व पहचान को बनाए रखे।

15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है। भगवान बिरसा मुंडा के सपनों के समाज में अधिकार, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता एक-दूसरे के पर्याय थे। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत व्यक्तिगत और सामुदायिक वनाधिकार पट्टों का बड़े पैमाने पर वितरण किया है। राज्य में अब तक कुल 4 लाख 88 हजार 079 व्यक्तिगत पट्टे, 46 हजार 868 सामुदायिक पट्टे और 4 हजार 412 सामुदायिक संसाधन पट्टे वितरित किए जा चुके हैं, जिनमें अकेले पिछले तीन वर्षों में 12,531 व्यक्तिगत व अन्य पट्टे जारी किए गए हैं। इसके साथ ही, वर्ष 2022 में लागू पेसा कानून का प्रभावी क्रियान्वयन जनजातीय



स्वशासन को ग्रासरूट स्तर पर मजबूत कर रहा है। इसके माध्यम से अनुसूचित क्षेत्रों की ग्रामसभाओं को स्थानीय परंपराओं, सामुदायिक संसाधनों, जल-जंगल-जमीन और स्थानीय बाजारों के प्रबंधन व विकास में निर्णायक अधिकार मिले हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया में सीधे स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हुई है।

शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में छात्रावासों और आश्रमों की संख्या बढ़कर 3,378 हो गई है, जिनमें शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान 1,91,412 जनजातीय विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। 26 जिलों में संचालित 75 एकलव्य विद्यालयों के बच्चों ने खेलकूद के क्षेत्र में भी परचम लहराया है। वर्ष 2025-26 की राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में इन विद्यार्थियों ने 55 स्वर्ण, 43 रजत और 64 कांस्य सहित कुल 162 पदक जीते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित 18 प्रयास विद्यालयों के 7,267 विद्यार्थियों में से वर्ष 2025-26 में शानदार सफलता मिली है, जिनमें 3 का आईआईटी, 22 का एनआईटी, 27 का ट्रिपल आईटी और 18 का एमबीबीएस में चयन हुआ है। दिल्ली स्थित जनजातीय युवा छात्रावास से भी पिछले तीन वर्षों में 12 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

पीएम-जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों की बस्तियों में 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स पूरी तरह सक्रिय हैं, जो घर-द्वार पर प्राथमिक जांच, दवाइयां और उच्च स्वास्थ्य केंद्रों तक रेफर करने की सुविधा दे रही हैं।

नियद नेल्ला नार योजना के तहत दर्जनों गांवों में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आवास, राशन और किसान सम्मान निधि जैसी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इन क्षेत्रों में नई सड़कों का निर्माण, 112 मोबाइल टावर, 107 आंगनबाड़ी केंद्र और 16 उप स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना से बस्तर का यह अंचल अब मुख्यधारा की प्रशासनिक और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ गया है।

बस्तर में विकास का तात्पर्य केवल कंक्रीट की संरचनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्थानीय युवाओं के लिए पर्यटन, हस्तशिल्प, लोक परंपराओं, खाद्य प्रसंस्करण और वन-आधारित उद्यमों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहा है।

शहीदों के बलिदान और उनके परिवारों का सम्मान हम सभी का दायित्व : डेका



श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। राज्यपाल रमेन डेका शासकीय पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित शौर्य दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों का सम्मान किया और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि देश की संप्रभुता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के लिए वीर जवानों का त्याग और समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। एक सैनिक का बलिदान केवल उसका व्यक्तिगत बलिदान नहीं होता, बल्कि उसका पूरा परिवार भी राष्ट्र के लिए त्याग करता है।

उन्होंने युवाओं से शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल नारों तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना और राष्ट्र के विकास में योगदान देना भी सच्ची देशभक्ति है। राज्यपाल ने भारतीय सेना में जाने के इच्छुक विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131





अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी



JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

शनाया कपूर का ओटीटी डेब्यू, पहली ही सीरीज में निभाएंगी जुड़वां बहनों का किरदार.....



अभिनेत्री शनाया कपूर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर आफ्टर डार्क सीरीज में अपने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी एक्टिंग की क्षमताओं को और बेहतर ढंग से परखने का मौका दिया, जबकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया ने सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माता करण जौहर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें डबल रोल निभाने का मौका दिया, जिससे उन्हें अपनी एक्टिंग के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का अवसर मिला। अभिनेत्री ने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार जताया, जिन्होंने उन्हें अपने क्रिएटिव सुझाव साझा करने की पूरी छूट दी।

शनाया ने उन मुश्किल एक्शन और अंडरवॉटर सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन बहुत कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के भरोसे और समर्थन ने उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की।

सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स (पर्दे के पीछे की) तस्वीरें साझा करते हुए आंखों की गुस्ताखियां फेम अभिनेत्री ने लिखा, यह शो मेरे लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। मैं करण जौहर को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका दिया।

मेरे करियर की शुरुआत में ही मुझे डबल रोल निभाने का अवसर मिला, जिससे मैं एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी रेंज दिखा सकी। मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। उम्मीद है कि मैं आपको गौरवान्वित कर पाऊंगी।

उन्होंने कहा कि एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर नेतृत्व वाली टीम तक आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद।

उन्होंने आगे कहा, पूरी क्रू टीम का धन्यवाद—इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और मुझे पता है कि हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता।

शनाया ने सभी से शो देखने की अपील की और लिखा, कृपया कल जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर आफ्टर डार्क 2012 की कैंपस-रोमांस फ्रेंचाइजी को एक सस्पेंस से भरी मर्डर मिस्ट्री के रूप में पेश करती है। इस सीरीज के साथ शनाया कपूर ओटीटी (ओटीटी) पर डेब्यू कर रही हैं, जिसमें वह जुड़वां बहन आयशा और अदिति मलिक के डबल रोल में नजर आएंगी। करण जौहर द्वारा प्रोड्यूस की गई यह हिंदी थ्रिलर सीरीज 13 नवंबर को जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगी।

'कम से कम लोग मुझे तो देखते हैं'

समय रैना ने किया तंज, हुमा कुरैशी ने दिया करारा जवाब



कॉमेडी शो 'इंडिया गॉट लेटेंट 2' में अभिनेत्री हुमा कुरैशी मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस दौरान कॉमेडियन समय रैना ने फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर एक्ट्रेस पर तंज कसा। यह मेगाबजट फिल्म बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित नहीं कर पाई थी।

'टॉक्सिक' पर क्या बोले समय रैना?

'टॉक्सिक' को लेकर कहा, 'आमतौर पर लोग इंडियाज गॉट लेटेंट में आते हैं और उसके बाद उनकी फिल्म फ्लॉप हो जाती है। आप पहली ऐसी इंसान हैं, जिनकी फिल्म पहले फ्लॉप हुई और फिर आप यहां आईं।' हालांकि, हुमा ने भी तुरंत करारा जवाब दिया। समय की बात पर प्रतिक्रिया देते हुए हुमा ने कहा, 'यार, मैंने तो बस टॉक्सिक नाम की फिल्म में एक्टिंग की है, लेकिन असल जिंदगी में तो तुम खुद ही 'टॉक्सिक' हो।'

हुमा बोलीं- जहर उगलते रहते हो

हुमा ने कहा, 'लेकिन कम से कम लोग मुझे देखते तो हैं' इस पर हुमा ने कहा कि आजकल 'हेट-वॉचिंग' का भी चलन है, जिससे व्यूज़ बढ़ जाते हैं। इसलिए शायद यह शो टॉप पर है। इस बात पर समय हंस पड़े और बोले कि यही बात 'टॉक्सिक' पर भी लागू होती है, साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि फिल्म के ट्रेलर में ही कई इंटीमेट सीन थे। हुमा हंसीं और बोलीं कि जब समय मेहमानों को शो में बुलाते हैं तो बहुत तमीज से बात करते हैं, लेकिन शो के दौरान हमेशा 'जहर' उगलते रहते हैं।'

'टॉक्सिक' के बारे में

फिल्म 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया था। फिल्म में हुमा कुरैशी के अलावा यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में थीं। फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

दिल्ली क्राइम सीजन 3 को 1 साल पूरा, रसिका दुग्गल बोलीं- ये शो मेरे दिल के बेहद करीब है



बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन-3 ने अपनी रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर बताया कि यह उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने कहा, दिल्ली क्राइम के जरिए मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा कि कहानी हमारी असल जिंदगी से जुड़ी है।

अगर कहानियों को सच्चाई और ईमानदारी से दिखाया जाए, तो वो देश की सरहदें पार करके दुनियाभर के लोगों से जुड़ सकती हैं। शो को जो प्यार और सम्मान मिला है, जिसमें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, वो मेरे लिए बहुत हौसला बढ़ाने वाला रहा है। सीजन 3 के एक साल बाद, मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मैं तीनों सीजन का हिस्सा रही और मैंने नीति सिंह को हर सीजन में आगे बढ़ते हुए देखा। उन्होंने आगे कहा, मुझे दिल्ली क्राइम की टीम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है। ये सभी बहुत खास और अच्छे लोग हैं। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी साथ में काम करते रहेंगे।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने पुलिस अधिकारी नीति सिंह का दमदार किरदार निभाया था। उनके इस सीजन के सफर में एक कठिन और पेचीदा मामले के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्ष और ट्रॉमा को भी बहुत खूबसूरती से दिखाया गया था।

यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और महिला/बाल तस्करी के एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर आधारित है। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया है।

यह सीरीज भावनात्मक रूप से झकझोर देने वाली और पुलिस की जांच पर आधारित एक बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर है। इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज का निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है। सीरीज में रसिका के साथ-साथ शेफाली शाह (डीआईजी वर्तिका चतुर्वेदी), हुमा कुरैशी (खतरनाक विलेन बड़ी दीदी), राजेश तैलंग और सयानी गुप्ता अहम भूमिकाओं में हैं।

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान शराब की लत पर कहा- आठ साल तक नहीं पी एक बूंद



अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।

उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं।

अभिनेत्री ने कहा, सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।

बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।

श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

अर्धहलासन पेट की चर्बी और कब्ज से चाहिए छुटकारा, तो रोज करें ये आसान योगासन

अर्धहलासन योगासन का एक प्रमुख आसन है, जो शरीर को कई तरह के लाभ पहुंचाता है। यह आसन पेट की मांसपेशियों, पीठ के निचले हिस्से (लंबर रीजन) और पैरों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। अर्ध का मतलब होता है आधा और हल का मतलब होता है- खेत जोतने वाला यंत्र। इस आसन में शरीर की स्थिति हल की तरह दिखाई देती है, इसलिए इसे अर्धहलासन कहा जाता है। शुरुआती लोगों के लिए भी यह आसन काफी आसान है, इसलिए योग की शुरुआत करने वाले लोग इसे आसानी से अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।



आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्धहलासन एक सुपाइन (पीठ के बल लेटकर किया जाने वाला) योगासन है। इसे नियमित रूप से करने से बिना अधिक दबाव के पेट की चर्बी कम होती है, पाचन शक्ति बढ़ती है और उदर क्षेत्र के अंगों की कार्यप्रणाली में सुधार होता है।

अर्धहलासन, हलासन का ही एक सरल और सुलभ रूप है, जिसे शुरुआती अभ्यासियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। जहां पूर्ण हलासन में पैरों को सिर के पीछे जमीन पर लगाना होता है, वहीं अर्धहलासन में पैरों को जमीन से 30, 60 या 90 डिग्री के कोण पर रोककर रखा जाता है।

यह आसन खासतौर पर पेट, कमर और पैरों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। इसे रोज सुबह खाली पेट करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है, पेट की चर्बी कम होती है और शरीर में नई ऊर्जा आती है।

यह आसन पेट की मांसपेशियों, पीठ के निचले हिस्से (लंबर रीजन) और पैरों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इसे नियमित रूप से करने से बिना अधिक दबाव के पेट की चर्बी कम होती है, पाचन शक्ति बढ़ती है और उदर क्षेत्र के अंगों की कार्यप्रणाली में सुधार होता है। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ यह मानसिक शांति और एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है, जिससे आधुनिक जीवनशैली में होने वाली थकान और सुस्ती दूर होती है।

जिन लोगों को कमर के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत है, उन्हें दोनों पैरों को एक साथ नहीं उठाना चाहिए। वे बारी-बारी से एक-एक पैर उठाकर इसका अभ्यास कर सकते हैं। पेट में किसी प्रकार की चोट, सर्जरी या हर्निया की स्थिति में इस आसन को बिल्कुल न करें।

जूही चावला: कयामत से कयामत तक से मिली बड़ी पहचान जिनके इश्क ने फैंस को बनाया दीवाना मस्ताना

जब बात सादगी, बेमिसाल खूबसूरती और खिलखिलाती हंसी की होती है, तो भारतीय सिनेमा में सिर्फ एक ही नाम जहन में आता है। 1984 में मिस इंडिया का ताज पहनने से लेकर कयामत से कयामत तक के जरिए करोड़ों दिलों की धड़कन बनने तक, उन्होंने हर किरदार में जान फूंकी है। यह बात हो रही है, अपनी लाजवाब कॉमिक टाइमिंग और संजीदा अभिनय से 90 के दशक पर राज करने वाली अभिनेत्री जूही चावला की।



13 नवंबर 1967 को हरियाणा के अंबाला में जन्मी जूही चावला ने अपनी पढ़ाई मुंबई में की। पिता चाहते थे कि जूही चावला बहुत पढ़े और आईएएस बने या एमबीए करे। मां की इच्छा थी कि जूही मार्केटिंग सेक्टर में करियर बनाए। मगर स्कूल के बाद कॉलेज में पढ़ाई करते हुए ही उनकी जिंदगी में ऐसे चमत्कार हुए, जिसने उन्हें पहले मिस इंडिया और फिर एक बेहतरीन अभिनेत्री बना दिया। जूही चावला ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरी यह कोशिश रही कि मैं जो भी काम करूं, वो थोड़ा अच्छा करूं। इसकी शुरुआत स्कूल में हुई। मेरे बड़े भाई थोड़े मस्तीखोर थे और मां उन्हें बहुत डांटती थीं। मां की डांट का असर भाई पर तो नहीं हुआ, लेकिन मैंने उसे गंभीरता से लिया। इसी का नतीजा था कि मैं स्कूल में अच्छी छात्रा बनी। जब भी परीक्षा होती थी तो पहले पढ़ाई करके जाती थी। फिल्मों में आने से पहले मिस इंडिया बनने की भी उनकी कहानी दिलचस्प है। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं शायद इस बारे में नहीं सोच रही थी। कॉलेज के समय में एक कॉन्टेस्ट हुआ था, जिसमें मैंने हिस्सा लिया था। उसमें मैं अव्वल आई। उसी समय कॉलेजों में मिस इंडिया के लिए फॉर्म भरे जा रहे थे। इसमें मेरी कुछ दोस्त हिस्सा लेना चाह रही थीं और उन्हीं को देखते हुए मैंने भी हिस्सा लिया। मैंने अपनी दोस्तों को देखकर सोचा था कि अगर ये कर सकती हैं तो मैं भी कर सकती हूं। इसी मस्ती-मस्ती में एक चमकता हुआ सितारा मिल गया था और जूही चावला मिस इंडिया बन गईं। जूही चावला ने कहा, मिस इंडिया बनने के बाद जिंदगी बदल चुकी थी। मैं बहुत खुश थी, लेकिन यह भरोसा नहीं हो रहा था कि मेरे साथ यह क्या हुआ है। मैं सोच रही थी कि उस समय भगवान ने कुछ तो चमत्कार किया। फिल्मों में जब जूही चावला को मौका मिला तो उन्होंने 1986 की फिल्म सल्तनत से शुरुआत की। फिल्म करते समय वे शूटिंग के दौरान सेट पर नर्वस रहती थीं। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं सल्तनत फिल्म की शूटिंग के समय, जिसमें बड़े कलाकार थे, कांपती थी।

खास-खबर

पीएम जनमन से मिला पुन्नी बाई कमार को सपनों का आशियाना

महासमुन्द। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। शासन की इस योजना ने जिले के कई जरूरतमंद परिवारों के वर्षों पुराने सपनों को साकार किया है। इसी कड़ी में जिले के विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत ग्राम कलमीदादर निवासी पुन्नी बाई कमार को भी इस योजना ने उन्हें सपनों का आशियाना प्रदान किया है। पुन्नी बाई कमार बताती हैं कि वे गांव में एक पुराने और जर्जर खपरैल वाले कच्चे मकान में निवास करती थीं। उनके लिए हर बदलता मौसम नई परेशानियां लेकर आता था। विशेषकर मानसून के दिनों में जब तेज बारिश होती थी, तो टूटे खपरैल से जगह-जगह पानी टपकने लगता था। घर के भीतर सामान सुरक्षित रखना और रात भर चैन की नींद सोना उनके लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। वे बताते हैं कि बारिश के अलावा एक बड़ी समस्या छत पर बंदरों की उछलकूद भी थी। गांव में बंदरों के झुंड जब खपरैल पर कूदते थे, तो कमजोर खपरैल आए दिन टूट जाते थे। परिवार में अकेली होने के कारण पुन्नी बाई के पास न तो इतना शारीरिक सामर्थ्य था कि वे बार-बार टूटे खपरैल बदल सकें, और न ही उनकी आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत थी कि वे मजदूर लगाकर घर की मरम्मत करा पातीं।

बेमेतरा में 16 से 21 नवंबर तक चलेगा संपूर्ण नेत्र सुरक्षा अभियान, घर-घर होगा सर्वे

बेमेतरा। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत बेमेतरा विकासखंड में संपूर्ण नेत्र सुरक्षा अभियान 16 नवंबर से 21 नवंबर तक चलाया जाएगा। यह अभियान जिला कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर आज सीएचसी खंडसरा में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला अंधत्व नोडल अधिकारी डॉ. अंशु अग्रवाल, जिला सहायक नोडल अधिकारी योगेंद्र भार्गव, समस्त स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सेक्टर प्रभारी एवं जिले के समस्त नेत्र सहायक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अभियान की रूपरेखा, सर्वे की कार्ययोजना, मरीजों की जांच, रेफरल व्यवस्था एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए गए। सभी ग्रामीण इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सर्वे में सहयोग करें और अपनी आंखों की जांच अवश्य कराएं।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण से बनेगा विकसित भारत : अरुण साव

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकों और निकायों का हुआ सम्मान, लाभार्थियों को चेक, यूपीआई पेमेंट बॉक्स और प्रशस्ति पत्र वितरित

श्रीकंचनपथ समाचार





रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने महोत्सव में पथ विक्रेताओं से सीधे संवाद कर उनके व्यवसाय, परिवार और पीएम स्वनिधि योजना से उनके कार्यों व जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। उन्होंने लाभार्थियों को चेक, यूपीआई पेमेंट बॉक्स तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने ऑडिटोरियम परिसर में स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल का भी अवलोकन किया। सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू और पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौर भी महोत्सव में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों, उनकी शाखाओं और नगरीय निकायों को सम्मानित किया। महोत्सव में पथ विक्रेताओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान की भी जानकारी दी गई। इस दौरान प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत 'उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम' की थीम पर इस महोत्सव का आयोजन किया गया था।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेहनतकश लोगों की परेशानियों को समझकर पीएम स्वनिधि योजना शुरू की है। इस योजना ने छोटे कारोबारियों को साहूकारों पर निर्भरता से बाहर निकालकर बैंकों से जोड़ने और अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने का अवसर दिया है। समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण से ही विकसित भारत का निर्माण होगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं में उसका नेतृत्व करने वाले व्यक्ति की सोच और संवेदना झलकती है। कोरोना के भयावह दौर में जब सड़कें सूनी थीं, काम-धंधे बंद हो गए थे और बड़ी संख्या में लोगों के सामने रोजगार तथा परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया था, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सड़क किनारे छोटे-मोटे कारोबार करने वालों की चिंता की। उन्होंने जून-2020 में पीएम स्वनिधि योजना शुरू की, ताकि ऐसे लोगों को दोबारा अपना कारोबार खड़ा करने के लिए आर्थिक सहारा मिल सके।

श्री साव ने पथ विक्रेताओं से कहा कि वे अपने काम को कभी छोटा न समझें। रेहड़ी, ठेले और सड़क किनारे दुकान लगाकर आजीविका चलाने वाले लोग शहर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनकी मेहनत से न केवल उनके परिवार चलते हैं, बल्कि शहरों की रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी होती हैं। उन्होंने लाभार्थियों से अपने कारोबार को लगातार आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लाभार्थी का लक्ष्य योजना के तीसरे चरण तक पहुंचकर 50 हजार रुपए का ऋण प्राप्त करना और अपने व्यवसाय का विस्तार करना होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले पीएम स्वनिधि महोत्सव में ऑडिटोरियम ऐसे कारोबारियों से भरा होगा, जिन्होंने तीसरे चरण का ऋण प्राप्त कर लिया होगा और जिनके पास यूपीआई क्रेडिट कार्ड भी होगा।

सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि पीएम स्वनिधि योजना में जरूरतमंदों को बिना गारंटर के ऋण मिलता है। समय पर ऋण की किस्त पटाने वालों को सात प्रतिशत का ब्याज अनुदान भी मिलता है। यह योजना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महापौर मीनल चौबे ने बताया कि रायपुर नगर निगम में वर्ष 2030 तक 53 हजार स्ट्रीट वेंडर्स को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक शहर के 33 हजार से अधिक पथ विक्रेताओं को योजना का लाभ दिया गया है। उन्होंने महिला उद्यमियों से अपील की कि वे पीएम स्वनिधि योजना का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं और आर्थिक रुप से सशक्त बनें। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने महोत्सव में पीएम स्वनिधि योजना के उद्देश्यों और प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में एक लाख 23 हजार से अधिक पथ विक्रेता योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता के साथ राज्य और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। राज्य में इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हम सभी कृत संकल्पित हैं। उन्होंने नगरीय निकायों और बैंकों से कहा कि वे संवेदनशीलता के साथ ज्यादा से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर्स तक योजना का लाभ पहुंचाएं। उन्हें वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करें। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक नीलेशकुमार क्षीरसागर, सूडा के सीईओ सुमीत अग्रवाल और रायपुर नगर निगम के आयुक्त संबित मिश्रा सहित पार्षदगण, रायपुर संभाग के विभिन्न नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, बैंकों के प्रतिनिधि एवं पीएम स्वनिधि के लाभार्थी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

निजी अस्पतालों में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग को कलेक्टर ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार



अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं तथा जिले में संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जे एस सरुता, सिविल सर्जन डॉ जे के रेलवानी, डीपीएम डॉ पुष्पेंद्र राम सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, बीपीएम तथा सर्वसम्बन्धित उपस्थित रहे।

इस दौरान पूर्व निरीक्षणों एवं बैठक में दिए गए निर्देशों में कार्यवाही की समीक्षा की गई। उन्होंने डॉक्टरों द्वारा प्राइवेट चिकित्सालयों में मरीजों के रेफरल एवं कारणों की विस्तृत समीक्षा की तथा कहा कि बीएमओ मॉनिटरिंग करें, अनावश्यक रेफ़रल ना हो, अन्यथा सम्बंधित पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चिरायु की टीम स्कूल, आश्रम, छात्रावासों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण हेतु जाएं। इस दौरान जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की जानकारी ली तथा कहा कि लोगों को जागरूक करें, वेक्टर जनित बीमारियों के लक्षण एवं बचाव के तरीके भी बताए जाएं। उन्होंने आवश्यक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा टी.बी. उन्मूलन के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। इस दौरान विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों अंतर्गत टीकाकरण कार्य की जानकारी ली गई। कलेक्टर वसंत ने पोर्टल में सभी पात्र गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का शत-प्रतिशत पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए।कलेक्टर वसंत ने पीवीटीजी समुदायों हेतु जारी स्वास्थ्य स्क्रीनिंग अभियान में जिले की प्रगति की जानकारी ली तथा परीक्षण के बाद गम्भीर मरीजों के ईलाज हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने स्वास्थ्य विभाग में मानव संसाधनों की उपलब्धता, विभिन्न रिक्त पदों एवं भर्ती प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने एनएचएम के माध्यम से जारी भर्ती प्रक्रिया के साथ ही डीएमएफ मद से स्वीकृत अतिरिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जानकारी ली तथा भर्ती प्रकिया में समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा स्वास्थ्य विभाग में अब मानव संसाधन पर्याप्त है, इसलिए चिकत्सकों एवं कर्मचारियों की अनुपलब्धता के कारण किसी भी प्रकार की शिकायत ना मिले। बैठक में स्वास्थ्य केंद्र भवनों के मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की जानकारी ली गई तथा समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर वसंत ने विकासखण्ड मैनपाट के लुरेना एवं विकासखण्ड लखनपुर के डाढ़केसरा में डीएमएफ मद से नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र भवन स्वीकृत किए जाने प्रस्ताव तैयार कर प्रेषित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध चिकित्सकीय उपकरणों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया जाए।

बेमेतरा में मधुमेह के खिलाफ जंग का बिगुल प्रचार रथ रवाना - शीघ्र जांच ही बचाएगी जान

श्रीकंचनपथ समाचार



बेमेतरा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े तथा सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में 14 नवंबर को जिला चिकित्सालय बेमेतरा में विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम "Early Action on Diabetes" रखी गई, जिसका उद्देश्य मधुमेह की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान मधुमेह के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू, एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नितेश चौबे (बाल मधुमेह / टाइप-1 डायबिटीज नोडल अधिकारी) एवं डॉ. दीपक निराला, एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. कमल कांत मेश्राम, फाउंडेशन से डॉ. स्वाति शर्मा एवं जिला सलाहकार डॉ. राहुल राय उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. स्मिता श्रीवास्तव ने उपस्थित प्रतिभागियों को मधुमेह के कारण, लक्षण, बचाव एवं संतुलित आहार तथा खान-पान में आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं बाल मधुमेह / टाइप-1 डायबिटीज नोडल अधिकारी डॉ. नितेश चौबे ने बच्चों में होने वाले बाल मधुमेह उसके लक्षण, उपचार एवं नियमित देखभाल के संबंध में जानकारी प्रदान की।

एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. कमल कांत मेश्राम ने मधुमेह के विभिन्न पहलुओं, इसकी रोकथाम, नियमित जांच एवं उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। WJCF फाउंडेशन की डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि जिला चिकित्सालय में प्रत्येक बुधवार को बच्चों में होने वाले बाल मधुमेह (टाइप-1 डायबिटीज) के लिए विशेष क्लीनिक संचालित की जाती है, जिसमें फाउंडेशन द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू ने कहा कि जिला चिकित्सालय में मधुमेह की नि:शुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध है।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि मधुमेह के संभावित लक्षण दिखाई देने पर जांच अवश्य कराएं तथा संदिग्ध मरीजों को जांच एवं आवश्यक उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लेकर आएं। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों में बाल मधुमेह (टाइप-1 डायबिटीज) की जांच, उपचार एवं परामर्श के लिए प्रत्येक बुधवार को विशेष क्लीनिक संचालित की जाती है।

राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत स्थानीय उत्पादों और स्टार्टअप नवाचारों का प्रदर्शन

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन का रेजिडेंट कमिश्नर श्रुति सिंह ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्प, स्थानीय उत्पादों, औद्योगिक क्षमताओं और नवाचारों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज छत्तीसगढ़ पवेलियन का शुभारंभ राज्य की रेजिडेंट कमिश्नर सुश्री श्रुति सिंह ने किया।

उद्घाटन के पश्चात रेजिडेंट कमिश्नर ने पवेलियन में लगाए गए विभिन्न विभागों, स्टार्टअप्स, उद्यमियों और अन्य प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने स्टॉल संचालकों एवं प्रतिनिधियों से संवाद कर प्रदर्शित उत्पादों, सेवाओं, नवाचारों और व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स द्वारा प्रस्तुत नवाचारों, नए व्यावसायिक विचारों तथा तकनीक आधारित उत्पादों में रुचि दिखाई। इस दौरान उद्यमियों के प्रयासों और उनके उत्पादों की संभावनाओं पर भी चर्चा की।

छत्तीसगढ़ पवेलियन में राज्य की समृद्ध जनजातीय एवं सांस्कृतिक विरासत, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, स्थानीय उत्पादों, औद्योगिक उपलब्धियों और उभरते स्टार्टअप इकोसिस्टम की झलक प्रस्तुत की गई है। यह मंच राज्य के कारीगरों, लघु उद्यमियों, स्टार्टअप्स और उद्योगों को देश-विदेश के खरीदारों, निवेशकों एवं व्यावसायिक प्रतिनिधियों से जुड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है।



भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की सहभागिता का उद्देश्य राज्य के उत्पादों और उद्यमों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने, स्थानीय उत्पादों की पहचान बढ़ाने तथा व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग की नई संभावनाओं को प्रोत्साहित करना है।

कलेक्टर ने डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का किया औचक निरीक्षण

सक्ती। कलेक्टर जयश्री जैन ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन एवं सतत निगरानी के लिए जिला विपणन कार्यालय में बनाए गए डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कंट्रोल सेंटर के माध्यम से धान खरीदी केंद्रों की गतिविधियों, खरीदी व्यवस्था एवं संबंधित कार्यों की निगरानी के संबंध में जानकारी ली। डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के संपर्क नंबर 07757-233162 पर जिले के किसान धान खरीदी से जुड़ी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए उक्त दूरभाष नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

बेमेतरा-दुर्ग मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, जीजा-साले की मौके पर मौत

बेमेतरा। बेमेतरा-दुर्ग मुख्य मार्ग पर ग्राम निनवा के पास शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक आपस में जीजा-साले थे और एक ही मोटरसाइकिल से बेमेतरा से दुर्ग की ओर जा रहे थे। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। मृतकों की पहचान ग्राम बाबामोहतरा निवासी केदार जायसवाल (62 वर्ष) और ग्राम जेवरा निवासी गोवर्धन सिन्हा (50 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों मोटरसाइकिल पर सवार थे। इसी दौरान ग्राम निनवा के पास उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। दोनों मृतकों की मौत के संबंध में थाना बेमेतरा में अलग-अलग मर्ग प्रकरण दर्ज किए गए हैं। पुलिस के दैनिक प्रतिवेदन के अनुसार, 13 नवंबर 2026 को दोनों मामलों में मर्ग कायम किया गया।

आइसक्रीम विक्रेता पर चाकू से हमला, पीठ पर वार से युवक गंभीर

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में आइसक्रीम बेचने आए राजस्थान निवासी एक युवक पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान राम प्रकाश बिल के रूप में हुई है। वह राजस्थान के भीलवाड़ा जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। युवक व्यापार के सिलसिले में धमतरी जिले के भखारा क्षेत्र में आयोजित मड़ई मेले में आइसक्रीम बेचने पहुंचा था। इसी दौरान पुरैना गांव के पास अज्ञात लोगों ने उसकी पीठ पर चाकू से वार कर दिया। अचानक हुए हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। फिलहाल हमलावरों की पहचान और हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

दुर्ग पुलिस ने ढूंढ निकाले 200 से ज्यादा गुम मोबाइल इस साल अब तक 1400 से अधिक मोबाइल बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (ACCU) द्वारा CEIR पोर्टल एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में गुम हुए मोबाइल फोन की लगातार पतासाजी की जा रही है। विशेष अभियान के तहत विभिन्न जिलों एवं अन्य राज्यों से 201 मोबाइल फोन बरामद कर शनिवार को उनके वास्तविक स्वामियों को वापस किए गए। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपए है।

जिले में गुम एवं खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी कर उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट एवं जिले के विभिन्न थानों की संयुक्त टीम द्वारा ष्टश्वङ्कक्र (Central Equipment Identity Register) पोर्टल के माध्यम से गुम मोबाइलों की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर उनकी पतासाजी की गई।

अभियान के दौरान वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस करने के लिए तकनीकी जानकारी का विश्लेषण किया गया तथा विभिन्न स्थानों पर उपयोग में आ रहे मोबाइल फोन की पहचान कर संबंधित जिलों एवं राज्यों से समन्वय स्थापित किया गया। पुलिस टीम के निरंतर प्रयासों से दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, रायपुर सहित अन्य



जिलों तथा महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश एवं बिहार सहित अन्य राज्यों से विभिन्न कंपनियों के कुल 201 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की उपस्थिति में बरामद सभी 201 मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को विधिवत वितरित किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर संबंधित नागरिकों ने दुर्ग पुलिस एवं एसीसीयू टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 में यह सातवां अवसर है, जब दुर्ग पुलिस द्वारा गुम मोबाइल बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस किए गए हैं। CEIR पोर्टल के माध्यम से अब तक 1,400 से अधिक गुम मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित व्यक्तियों को लौटाए जा चुके हैं।

उक्त कार्यवाही में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट दुर्ग की टीम एवं जिले के संबंधित थाना प्रभारियों तथा कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम द्वारा लगातार तकनीकी विश्लेषण, CEIR पोर्टल पर निगरानी, विभिन्न जिलों एवं राज्यों से समन्वय तथा गुम मोबाइलों की पतासाजी के लिए किए गए निरंतर प्रयासों से 201 मोबाइल बरामद किए गए। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि मोबाइल फोन गुम होने पर तत्काल संबंधित थाने में सूचना दें तथा CEIR पोर्टल (www.ceir.gov.in) के माध्यम से मोबाइल ब्लॉक कराने की प्रक्रिया पूरी करें।

साथ ही अपने मोबाइल में स्क्रीन लॉक एवं अन्य सुरक्षा सुविधाओं का उपयोग करें। महत्वपूर्ण फोटो, दस्तावेज एवं व्यक्तिगत डाटा का सुरक्षित बैकअप रखें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें, संदिग्ध कॉल से सावधान रहें तथा किसी के साथ OTP एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं अथवा आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट करें।

आई फोन खरीदने पहुंचे युवक ने हिमालय कॉम्पलेक्स के टॉयलेट में लगाई फांसी



श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आकाशगंगा सुपेला स्थित हिमालय कॉम्पलेक्स के कॉमन टॉयलेट में शनिवार की शाम को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शाम करीब 4:30 बजे के आसपास की बताई जा रही है। युवक ने पहले यहां के एक मोबाइल दुकान से आईफोन फाइनेंस कराया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद कॉम्पलेक्स के बेसमेंट में मौजूद कॉमन टॉयलेट में फांसी लगा ली। इसकी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचसी सुपेला पुलिस ने शव को उतारवाया और शास्त्री अस्पताल के मरच्यूरी में भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान निहाल सिंह पिता अरुण सिंह निवासी शांति नगर के रूप में हुई है। मोबाइल दुकान के संचालक मेहरबान सिंह ने बताया कि निहाल सिंह नाम का युवक पहुंचा और उसने आईफोन खरीदा। फाइनेंस की पूरी कार्रवाई होने के बाद उसके पास एक कॉल आया। कॉल आने के बाद वह कुछ टेंशन में आया और नीचे चला गया। बाद में पता चला कि उसे टॉयलेट के विंडो से गमछा बांधकर फंदा बनाया और फांसी लगा ली।

घटना की सूचना मिलन के बाद सुपेला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया और सुपेला मरच्यूरी में भेजा। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक युवक के परिजनों को दे दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि अचानक युवक ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया। वहीं इस घटना के बाद हिमालय कॉम्पलेक्स के आसपास की दुकानों में इसकी चर्चा होती रही। फिलहाल सुपेला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आपसी विवाद में युवक पर जानलेवा हमला तीन आरोपी गिरफ्तार, हथियार व बाइक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अमलेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम पाहंदा में दीपावली के दूसरे दिन 9 नवंबर को विवाद में युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना अमलेश्वर एवं सायबर क्राइम दुर्ग की संयुक्त टीम आरोपियों को रायपुर से गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त सामग्री जब्त की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 9 नवंबर की रात्रि लगभग 10:00 बजे ग्राम पाहंदा स्थित बाजार चौक के पास आपसे विवाद हुआ। इस दौरान आरोपियों द्वारा ग्राम पाहंदा निवासी त्रिदेव बंधे पर हत्या करने की नीयत से धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिससे उसके पेट में गंभीर चोट आई। घायल को तत्काल उपचार हेतु एम्स अस्पताल, रायपुर ले जाया गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर



धारा 109 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान थाना अमलेश्वर एवं सायबर क्राइम दुर्ग की संयुक्त टीम द्वारा फरार आरोपियों की लगातार पतासाजी की गई।

तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चंगोराभाठा, रायपुर में घेराबंदी कर तीन आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ एवं विवेचना में आरोपियों की संलिप्तता सामने आने पर तीनों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बटनदार धारदार हथियार, दो मोटरसाइकिल एवं तीन मोबाइल फोन जप्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। प्रकरण के दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। आपसी विवाद के दौरान आरोपियों द्वारा युवक पर धारदार हथियार से पेट में हमला किया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस टीम द्वारा लगातार पतासाजी एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के माध्यम से आरोपियों का पता लगाकर रायपुर से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में चंगोराभाठा थाना डीडी नगर रायपुर निवासी गोपी साहू, अंकित सोनकर व भेदराज निर्मलकर शामिल हैं। आरोपियों के पास से 1 नग बटनदार चाकू, दो मोटरसाइकिल व 3 मोबाइल फोन बरामद किया गया। उक्त कार्रवाई में थाना अमलेश्वर की पुलिस टीम एवं सायबर क्राइम दुर्ग की संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि आपसी विवाद एवं छोटी-छोटी बातों को हिंसक रूप न दें।

किसी भी विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में लेने के बजाय पुलिस को सूचना दें। सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली संदिग्ध एवं अवैध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को देकर कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

धान के अवैध भंडारण पर प्रशासन की सख्ती, 240 बोरी धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

मरवाही। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा बिचौलियों द्वारा अवैध रूप से धान के भंडारण एवं परिवहन के माध्यम से अनियमित बिक्री की आशंका पर अंकुश लगाने के लिए राज्य में निगरानी और जांच की कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्राम बरवासन में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 240 बोरी अवैध रूप से भंडारित धान जब्त किया है।

कलेक्टर विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में तहसील पेण्ड्रारोड अंतर्गत ग्राम बरवासन में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जांच एवं कार्रवाई की गई। जांच के दौरान



ग्राम निवासी राजेंद्र गुज्जर की बाड़ी में ट्रैक्टर में रखी 35 बोरी तथा खुले में रखी 100 बोरी सहित कुल 135 बोरी धान पाया गया। इसी प्रकार जीवन सिंह मारको के यहां 105 बोरी धान अवैध रूप से भंडारित पाया गया। इस तरह दोनों स्थानों से कुल 240 बोरी धान जब्त कर ग्राम कोटवार की अभिरक्षा में सौंपा गया।

जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि उनके खेतों में अभी तक धान की कटाई एवं मिसाई नहीं हुई है। पूछताछ में यह भी जानकारी मिली कि उक्त धान अन्य किसान के खेत से लाकर भंडारित किया गया था। इसके बाद संयुक्त जांच दल द्वारा नियमानुसार धान जब्ती की कार्रवाई की गई।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ की जा रही है। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर अवैध धान के भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमें लगातार जांच कर रही हैं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध भंडारण, परिवहन एवं अनियमित बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जांच और निगरानी की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

अंबिकापुर में चोरी की गईं पांच मोटरसाइकिलें बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। कोतवाली पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने गांधी स्टेडियम और चौपाटी क्षेत्र सहित अलग-अलग स्थानों से चोरी की गई पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये है।

सरगुजा जिला के अंबिकापुर शहर में दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर पुलिस ने कार्रवाई की है। कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये है।

बरामद वाहनों में गांधी स्टेडियम और चौपाटी क्षेत्र से चोरी की गई बाइक भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, महुआपारा



निवासी आदित्य कुजूर की होंडा ड्रीम युगा मोटरसाइकिल 12 नवंबर को गांधी स्टेडियम के बाहर से चोरी हुई थी। उन्होंने वाहन खड़ा किया था, लेकिन लौटने पर बाइक गायब मिली। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाने में अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने चोर की तलाश शुरू की। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर एक पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने मामले की जांच करते हुए मुखबिरों को सक्रिय किया। मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेही विजय गुप्ता (50) को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी विजय गुप्ता ने गांधी स्टेडियम के बाहर से होंडा ड्रीम युगा चोरी करना स्वीकार किया। वह वर्तमान में केदारपुर, अंबिकापुर में रह रहा था।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने सभी पांच वाहन बरामद कर लिए। मामले में गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी उप निरीक्षक अखिलेश सिंह शामिल रहे। सहायक उप निरीक्षक आलोक सोनी और प्रधान आरक्षक सूरज राय भी टीम का हिस्सा थे। सियाराम मरावी, सदरक लकड़ा, आरक्षक विवेक राय, नितिन सिन्हा और शिव राजवाड़े ने भी सहयोग किया।

किरायेदारों की बाइक में आग लगाई, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ में युवक ने किराये के मकान में रहने वाले किरायेदारों की दो बाइक में आग लगा दी। आरोपी ने मकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। आग से दोनों बाइक बुरी तरह जल गईं। सीसीटीवी फुटेज की जांच में आरोपी की पहचान मोहल्ले के श्रवण उरांव (22) के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। घटना गुरुवार रात करीब 3:30 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र के धांगरडीपा की है।

धांगरडीपा निवासी आशीष अग्रवाल (32) ने पुलिस को बताया कि वह वार्ड क्रमांक-2 में छोटा पानी टंकी के पास मकान



मालिक एस. लकड़ा के मकान में किराये से रहता है। वह स्थानीय प्लांट में ठेकेदारी का काम करता है। गुरुवार रात रोज की तरह उसने अपनी पैशन प्रो बाइक अन्य वाहनों के साथ घर के बाहर खड़ी की और सोने चला गया। रात करीब 3:30 बजे पड़ोसी मनोज देवांगन ने उसे फोन कर बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक में आग लग गई है। पास में खड़ी पड़ोसी कामता प्रसाद बरेठ की प्लेटिना बाइक भी आग की चपेट में आ गई है। सूचना मिलते ही आशीष बाहर आया। तब तक दोनों बाइक बुरी तरह जल चुकी थीं। इसके बाद उसने मोहल्ले के लोगों के साथ मिलकर पानी डालकर आग बुझाई। घटना के दौरान आरोपी ने मकान के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए थे। इसके बाद आशीष ने घर में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें मोहल्ले का श्रवण उरांव उर्फभोंदू (22) दोनों बाइक में आग लगाते और कैमरे तोड़ते दिखाई दिया। पुलिस ने केस में बीएनएस की धारा 331(2) भी जोड़ दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

आरक्षक की नौकरी के नाम पर युवती से 2.22 लाख-ठगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद में पुलिस विभाग में आरक्षक जीडी की नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवती से 2 लाख 22 हजार रुपए लेने का मामला सामने आया है। भर्ती के फिजिकल टेस्ट में कम हाइट के कारण युवती बाहर हो गई। इसके बाद उसने आरोपी से नौकरी और पैसे वापस करने की मांग की, लेकिन आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया। युवती की शिकायत पर पुलिस ने कांकेर निवासी आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार,



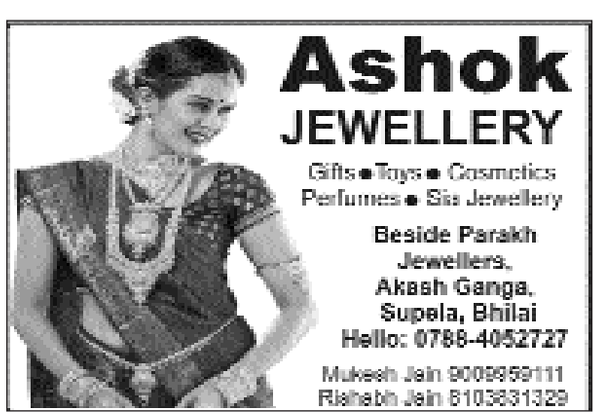
बालोद थाना क्षेत्र के ग्राम बोरी की रहने वाली लोकेश्वरी पवार (25) वर्ष 2023-24 में रायपुर पुलिस विभाग में आरक्षक जीडी पद की भर्ती की तैयारी कर रही थी। उस समय वह रायपुर में काम करती थी। लोकेश्वरी के साथ काम करने वाली रीना साहू ने उसे कांकेर निवासी लेखराम सिन्हा का मोबाइल नंबर दिया था। रीना ने बताया था कि लेखराम पुलिस विभाग में नौकरी करता है और पुलिस मुख्यालय रायपुर में उसकी पहचान है। इसके बाद लोकेश्वरी ने लेखराम से फोन पर बात की। मार्च 2024 में वह अपनी मां और मामा के साथ रायपुर में उससे मिली। आरोप है कि लेखराम ने आरक्षक जीडी की नौकरी लगवाने के नाम पर 3 लाख 50 हजार रुपए मांगे।

रकम जुटाने के लिए समय लेने के बाद 30 मार्च 2024 को लोकेश्वरी के मामा ठाकुर राम ने लेखराम के बैंक खाते में 1 लाख 50 हजार रुपए भेजे। इसके बाद 22 अप्रैल को ग्राम लाटाबोड़ के च्वाइस सेंटर से 36 हजार रुपए और करीब एक सप्ताह बाद 36 हजार रुपए उसके फोन-पे नंबर पर भेजे गए। इस तरह आरोपी को कुल 2 लाख 22 हजार रुपए दिए गए। लोकेश्वरी ने आरक्षक भर्ती की शारीरिक परीक्षा में हिस्सा लिया, लेकिन हाइट कम होने के कारण वह बाहर हो गई। इसके बाद उसने नौकरी और दिए गए पैसों के संबंध में लेखराम से संपर्क किया।

आरोप है कि लेखराम ने न तो उसकी नौकरी लगवाई और न ही पैसे लौटाए। बालोद टीआई शिशुपाल सिन्हा ने बताया कि शिकायत और दस्तावेजों के आधार पर कांकेर निवासी लेखराम सिन्हा के खिलाफ बीएनएस की धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

कोरबा में करंट से गई युवक की जान

कोरबा। श्यिांग थाना क्षेत्र के गिरारी गांव में 25 वर्षीय सुखसागर की करंट लगने से जान चली गई। मृतक 25 वर्षीय सुखसागर पिता की मौत के बाद अपनी बूढ़ी मां का इकलौता सहारा था और खेती-किसानी कर घर चलाता था। उसकी शादी को महज 8 महीने ही हुए थे। बताया जा रहा है कि शाम को घर में अंधेरा होने पर पत्नी पति के लिए खाना बना रही थी, वहीं पति बिजली बनाने का काम कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक करंट की चपेट में आ गया। परिजन आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पत्नी और मां का रो-रो कर बुरा हाल है। जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने मेमो पर बयान दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।











श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जनजातीय गौरव दिवस

मुख्य अतिथि

श्री नितिन नवीन

माननीय राज्यसभा सांसद

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर शत् शत् नमन

15 नवंबर 2026

समय - प्रातः 9 बजे

दशहरा मैदान, धरमजयगढ़
जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

समावेशी विकास एवं उत्थान

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से **6,691** गांवों के **11 लाख** से अधिक परिवार और **पीएम-जनमन** से **1,544** गांवों के **56,569** परिवार लाभान्वित

संस्कृति और विरासत का संरक्षण

₹50 करोड़ की लागत से शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निर्माण



महिला सशक्तीकरण

19.89 लाख से अधिक जनजातीय महिलाओं को **₹629.64** करोड़ अंतरित मिल रहा **महतारी वंदन योजना** का लाभ

सुरक्षित भविष्य की आधारशिला

75 एकलव्य और **14 प्रयास** आवासीय विद्यालय संचालित, **34 हजार** से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन

9.86 लाख जनजातीय परिवारों को **पक्के आवास**

वन अधिकारों से सशक्तीकरण

4.88 लाख से अधिक व्यक्तिगत, **46,868** सामुदायिक और **4,412** सामुदायिक वन संसाधन **अधिकार पत्र वितरित**

समृद्धि । सम्मान । सर्वांगीण विकास

RO- 49787/102

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in | हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950